page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/29/2025 1:35 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जीडीसी महानपुर ने डिस्प्ले योर टैलेंट में चार ट्रॉफी जीतीं

5 डब्लयूपीएल मेग आक्शन: दीप्ति शर्मा बनीं सबसे महंगी खिलाड़ी

8 संविधान वीकेंड पर पीएम श्री एचएसएस भेलरा में क्विज़ प्रतियोगिता

मौसम जम्मू
न्यूनतम 9
अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-292 | जम्मू तवी, शनिवार 29 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में अपनी उर्जा लगाएं युवा: राष्ट्रपति

देश के युवा एक भारत श्रेष्ठ भारत में अपना योगदान दें : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 28 नवंबर । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज युवाओं का आह्वान किया कि वे वर्ष 2047 तक वि?कसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुशासन, आत्मसंयम के साथ अपनी उर्जा लगाएं। युवा दुनिया के समक्ष आने वाली पर्यावरण असंतुलन सहित तमाम चुनौतियों को भी स्वीकार करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की नींव को मजबूत बनाएं।

राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वे 35 हजार युवाओं की उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम में शामिल होकर बहुत खुश हैं और जंबूरी के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करती हैं। उन्होंने स्काउट गाइड के विचारों और उद्देश्यों की चर्चा करते हुए कहा कि देश के कोने कोने से आए युवाओं ने यहां जो सीखा है, उसे अपने स्कूल—कालेज और गांव व समाज में जाकर दिखाएं ताकि अधिक से अधिक युवा प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने युवाओं के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम चला रखे हैं, युवा इन कार्यक्रमों से जुडें और अपनी उर्जा और अनुशासन का उपयोग वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए करें।

देश की युवा शक्ति का आह्वान करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आज दुनिया में पर्यावरण असंतुलन जैसी कई तरह की चुनौतियां हैं और इनका मुकाबला करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। जंबूरी को प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण के अनूकूल बनाना महत्वपूर्ण है। प्रकृति के साथ रहना बेहतर है।

समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्काउट गाइड के अनुशासन, आत्म संयम और शक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि जंबूरी के अनुशासन को पूरे लखनऊ ने देखा है। यहां कई प्रकार के सांस्कृतिक, साहित्यिक व रोमांचक कार्यक्रम हुए हैं। उन्होंने कहा कि जंबूरी के सफल आयोजन ने इस साल के प्रारंभ में प्रयागराज में हुए महाकुंभ के सफल आयोजन की याद दिला दी है, जिसमें देश विदेश से करोडों भक्त आए थे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे जंबूरी की थीम युवा भारत सशक्त भारत के अनुरूप कार्य करें और एक भारत श्रेष्ठ भारत में अपना योगदान दें।

विकसित भारत का सपना प्रकृति संरक्षण, अध्यात्म और राष्ट्रसेवा के समन्वय से ही साकार होगा : प्रधानमंत्री मोदी

गोवा, 28 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा हो सकता है, जब हम पर्यावरण की रक्षा को अपना कर्तव्य मानें। धरती हमारी माता है और मठ की शिक्षाएं हमें प्रकृति का सम्मान करना सिखाती हैं।

प्रधानमंत्री गोवा में श्रीसंस्थान गोकर्ण पर्तगली जीवोत्तम मठ की 550वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित 'सार्ध पंचशतामनोत्सव' को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भगवान श्रीराम की 77 फीट ऊंची कास्य प्रतिमा तथा रामायण थीम पार्क गार्डन का उद्घाटन किया। इसके अलावा एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का भी जारी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज जिन 550 वर्षों का उत्सव मठ मना रहा है, वे केवल समय की अवधि नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी यात्रा का प्रतीक हैं जिसने कठिन चुनौतियों के बावजूद अपनी दिशा नहीं खोई। उन्होंने कहा कि बीते 550 वर्षों में युग बदले, परिस्थितियां बदलीं, समाज में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मठ ने अपनी मूल दिशा को स्थिर रखा और लोगों को मार्गदर्शन देने वाले संस्थान के रूप में उभरा। यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने याद दिलाया कि ऐसे भी दौर आए, जब गोवा की स्थानीय परंपराओं, मंदिरों और सांस्कृतिक पहचान को संकटों का सामना करना पड़ा। भाषा और संस्कृति पर दबाव बढ़ा। लेकिन गोवा की आत्मा न तो डरी और न ही कमजोर हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों ने समाज को और दृढ़ बनाया और उसकी सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया। पर्तगली मठ जैसे संस्थानों ने इसमें ऐतिहासिक योगदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत अद्भुत सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्स्थापन, काशी विश्वनाथ धाम का विस्तार और उज्जैन में महाकाल महालोक की भव्यता—ये सब राष्ट्र की उस जागरूकता के प्रतीक हैं, जो अपनी आध्यात्मिक धरोहर को नई ऊर्जा के साथ पुनर्जीवित कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज का भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को नए आत्मविश्वास और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने भगवान श्रीराम की 77 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि तीन दिन पहले मुझे अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराने का सौभाग्य मिला और आज यहां प्रभु श्रीराम की भव्य मूर्ति का अनावरण करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि रामायण-आधारित थीम पार्क और यहां विकसित हो रहा संग्रहालय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्थायी केंद्र बनेंगे। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित 3डी थिएटर और विविध सांस्कृतिक प्रदर्शनों से मठ अपनी परंपरा को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर विकसित भारत के लिए नौ आग्रह प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग, देश दर्शन, प्राकृतिक खेती, श्रीअन्न (मिलेट्स) को भोजन में शामिल करने, खाने में तेल की मात्रा 10 प्रतिशत कम करने तथा खेल-योग अपनाने जैसे संकल्पों को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना भी हर नागरिक का दायित्व है। प्रधानमंत्री ने कहा, मठ हमारे इन आग्रहों को जन-संकल्प में बदलने की प्रेरक शक्ति बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश दर्शन हमें भारत के विभिन्न हिस्सों को जानने और समझने के लिए प्रेरित करता है। हम प्राकृतिक खेती को अपनाएं। हम मिलेट्स को अपने भोजन का हिस्सा बनाएं और तेल की खपत को 10 प्रतिशत कम करें। स्वस्थ जीवनशैली विकसित भारत के निर्माण की अनिवार्य शर्त है।

गुलमर्ग में स्की ड्रैग लिफ्ट के लिए एक तकनीकी निरीक्षण समिति बनाने का आदेश

जम्मू, 28 नवंबर । जम्मू और कश्मीर सरकार ने गुलमर्ग के कोंगडोरी में स्की ड्रैग लिफ्ट के लिए एक तकनीकी निरीक्षण समिति बनाने का आदेश दिया है। एक आदेश के अनुसार कमेटी को कश्मीर के मैकेनिकल और अस्पताल इंजीनियरिंग विभाग के चीफ इंजीनियर हेड करेंगे जिसमें जम्मू-कश्मीर केबल कार कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जनरल मैनेजर, सब-ट्रांसमिशन डिवीजन गुलमर्ग/तंगमर्ग के कार्यकारिणी इंजीनियर और आरएण्डबी डिवीजन गुलमर्ग के कार्यकारिणी इंजीनियर सदस्य होंगे।

सांबा सेक्टर के अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे खोड़ा इलाके में मिला मोर्टार शैल मच

सांबा, 28 नवंबर (हि.स.)। सांबा सेक्टर के अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे खोड़ा इलाके में शुक्रवार सुबह हड़कंप मच गया, जब खेत में काम कर रहे किसान को जमीन के अंदर एक पुराना, जंग लगा मोर्टार शेल मिला। यह शेल शमशेर सिंह पुत्र स्व. हंस राज निवासी चचवाल तहसील राजपुरा जिला सांबा के खेत से बरामद हुआ। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी राजपुरा अबीर खान और बीएसएफ के अधिकारी टी.के. शर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों एजेंसियों ने क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर किसी भी अनहोनी से बचाव के लिए खेत का पूरा इलाका सील कर दिया। किसान ने बताया कि वह रोज़ की तरह खेत में काम कर रहा था तभी उसे मिट्टी में दबा हुआ संदिग्ध लोहे का गोला दिखाई दिया। करीब से देखने पर पता चला कि यह मोर्टार शेल है। किसान ने तुरंत इसकी सूचना बीएसएफ और पुलिस को दी। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। टीम ने मोर्टार शेल की गहन जांच की। प्रारंभिक जांच में पता चला कि शेल काफी पुराना और जंग लगा हुआ था। बम निरोधक दस्ते ने शेल को सुरक्षित तरीके से अपने कब्जे में लिया और नियंत्रित स्थान पर ले जाकर निष्क्रिय कर दिया। बीएसएफ और पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि खेतों या आसपास के क्षेत्रों में कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखाई दे तो उसे हाथ न लगाएं और तुरंत सुरक्षाबलों को सूचित करें ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

महबूबा मुफ्ती ने जम्मू में अधिकारियों द्वारा एक पत्रकार का घर गिराए जाने की आलोचना की

श्रीनगर, 28 नवंबर (हि.स.)। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की चीफ महबूबा मुफ्ती ने जम्मू में अधिकारियों द्वारा एक पत्रकार का घर गिराए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के हाल ही में विधानसभा में पार्टी के एंटी-बुलडोजर बिल को खारिज करने के फैसले के बुरे नतीजे भुगत रहा है। मुफ्ती ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ये यूपी या कहीं और के लाचार मुस्लिम परिवारों के घर नहीं हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना आम बात हो गई है। यह जम्मू और कश्मीर है जहां अरफाज, एक पत्रकार जिसने 40 साल पहले 3 मरला जमीन पर एक मामूली घर बनाया था, उसे कुछ ही सेकंड में मलबे में बदल दिया गया।

उन्होंने कहा कि एनसी सरकार ने पीडीपी के एंटी-बुलडोज़र बिल को इन लोगों को ज़मीन हड़पने वाला बताकर खारिज कर दिया।

मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर का स्थायी समाधान दिया: शाह

रायपुर, 28 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नक्सलवाद, पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर—ये तीनों क्षेत्र जो लंबे समय तक भारत के लिए नासूर बने रहे—अब नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा दिए गए स्थायी समाधान की ओर बढ़ चुके हैं और जल्द ही देश के बाकी हिस्सों की तरह विकसित और शांतिपूर्ण बनेंगे। रायपुर में आयोजित तीन-दिवसीय डीजीपी/आईजीपी वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मादक पदार्थों और संगठित अपराध के खिलाफ 360 डिग्री हमला करने की जरूरत है और ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए कि ड्रग तस्करों और अपराधियों को देश में कहीं एक इंच जगह भी न मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस बलों के लिए समय आ गया है कि वे

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के साथ मिलकर राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय मादक पदार्थ गिरोहों पर कड़ी कार्रवाई करें और उनके मास्टरमाइंड को जेल के पीछे पहुँचाएँ। गृह मंत्री ने कहा कि लोकप्रिय फंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद देशभर में उसके ठिकानों पर छापेमारी और गिरफ्तारियाँ की गईं, जो केंद्र और राज्यों के तालमेल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सिन्हा ने कवियों से की अपील- कट्टरपंथ के खिलाफ हमारी कलम बने हथियार

जम्मू तवी, 28 नवम्बर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कवियों से अलगाववादियों और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने वाली ताकतों के खिलाफ अपनी कलम को हथियार बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने में कवियों, लेखकों और कलाकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक कवि सम्मेलन को संबोधित करते हुए एलजी सिन्हा ने कहा, बौद्धिक वर्ग पर जम्मू-कश्मीर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, कवियों और लेखकों को एकता को मजबूत करना होगा तथा कश्मीर घाटी में युवाओं को बांटने और कट्टरपंथ की ओर मोड़ने की कोशिशों का मुकाबला करना होगा। एलजी ने कहा कि पिछले पाँच से छह वर्ष जम्मू-कश्मीर के रूपांतरण के लिए निर्णायक रहे हैं। हमने युवाओं को शांतिपूर्ण माहौल देने की पूरी कोशिश की है,उन्होंने कहा। लेकिन कुछ लोग अभी भी उन्हें भटकाने और शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे सुरक्षा बल अपना काम कर रहे हैं, लेकिन समाज—खासकर कवियों—को

मौन नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कवियों से अपील की कि वे अपनी कलम को शांति-विरोधी तत्वों और अलगाववादी विचारधारा के खिलाफ एक प्रभावशाली हथियार के रूप में इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा, आपको ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाने में अहम भूमिका निभानी है जहाँ हमारे युवा अपने सपनों को साकार कर सकें। कविता समाज का आईना होती है। कविता को हीरे से भी अधिक मूल्यवानबताते हुए एलजी सिन्हा ने कहा कि कवि की कलम से निकले शब्दों में समाज को प्रभावित करने और बदलने की शक्ति होती है।कठिनाइयों के बावजूद, एक कवि राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है,उन्होंने कहा।

सीबीके ने ज़मीन धोखाधड़ी मामले में चार्जशीट की दाखिल, दो आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

श्रीनगर, 28 नवंबर । क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने एक बड़े ज़मीन धोखाधड़ी मामले में चार्जशीट दाखिल की है जिससे दो आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग के स्पेशल जज भ्रष्टाचार निरोधी कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में मुश्ताक अहमद भट बेटे अली मोहम्मद भट निवासी बाबापोरा काज़ीगुंड (तब पटवारी हल्का खांडीपहाड़ी अनंतनाग) और मोहम्मद यूसुफ डार बेटे गुलाम अहमद डार निवासी खांडीपहाड़ी हरनाग, अनंतनाग के नाम हैं। अधिकारियों के मुताबिक यह मामला एक शिकायत से शुरू हुआ है जिसमें आरोप लगाया गया है कि पटवारी मुश्ताक भट ने शिकायतकर्ता के भाइयों के साथ मिलकर खांडीपहाड़ी हरनाग में खेवट नंबर 05 और 07 के तहत ज़मीन का फर्जी म्यूटेशन किया।

घाटी में लगभग हर जगह तापमान शून्य से नीचे दर्ज

श्रीनगर, 28 नवंबर । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बड़े हिस्सों में रात के तापमान में काफी गिरावट देखी गई है क्योंकि यह इलाका शुक्रवार को भी कड़ाके की ठंड की चपेट में रहा।

कश्मीर घाटी में लगभग हर जगह तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में तापमान शून्य से नीचे 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि काजीगुंड में शून्य से नीचे 4.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। टूरिस्ट जगहों पर भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है, पहलगाम में तापमान शून्य से नीचे 5.5 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों में इस मौसम का सबसे कम तापमान रिकॉर्ड किया गया, पुलवामा और अनंतनाग में तापमान शून्य से नीचे 6.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, पंपोर में शून्य से नीचे 6.0 डिग्री सेल्सियस रहा और शोपियां में शून्य से नीचे 6.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा।

मुख्य सचिव ने नशीली दवाओं की लत के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की रणनीति को मजबूत करने के लिए नीति आयोग से परामर्श किया

जम्मू, 28 नवंबर । जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं की लत के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. के साथ उच्च स्तरीय परामर्श किया। पॉल, यूटी भर में मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए एक व्यापक, प्रभावी और टिकाऊ रणनीति विकसित करने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन मांग रहे हैं। परामर्श सत्र में जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ अधिकारियों और स्वास्थ्य प्रशासकों के अलावा एम्स नई दिल्ली और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ शामिल हुए।

बैठक का संचालन सचिव, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा (एच एंड एमई) द्वारा किया गया और प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने भाग लिया; निदेशक से सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य और जीएमसी श्रीनगर और जीएमसी जम्मू से मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख। सभा को संबोधित करते हुए, मुख्य सचिव ने यूटी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की समस्या की गंभीरता और आयामों को रेखांकित किया, जिसमें विभिन्न एजेंसियों द्वारा की जा रही पहल, संस्थागत तंत्र और समन्वित प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

उन्होंने प्रशासन द्वारा अपनाई गई बहु-आयामी रणनीति के बारे में विस्तार से बताया जो सख्त प्रवर्तन, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान, परामर्श, उपचार और पुनर्वास के पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है जिसका उद्देश्य तत्काल समाधान सुनिश्चित करना है।

भारत ने रिहा किए पाकिस्तान के तीन कैदी, अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते भेजा गया

चंडीगढ़, 28 नवंबर। भारत की अलग-अलग जेलों में सजा काटने के बाद तीन पाकिस्तानी कैदी रिहा होकर पाकिस्तान लौट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें शुक्रवार को अटारी-बाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तानी रेंजरों के हवाले किया।

भारत सरकार ने लक्खोवाल लाहौर निवासी मोहम्मद रमजान (58), पाकिस्तान के पंजाब निवासी असगर अली और बड़ा पिंड पंजाब निवासी मोहम्मद इकबाल (48) को रिहा किया है। इकबाल को 18 साल की उम्र में एनडीपीएस एक्ट के तहत गुरदासपुर में 10 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने उन्हें 30 साल की सजा सुनाई थी, जिसे वह पूरी तरह काट चुके हैं। रमजान 2010 में जम्मू के रास्ते अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुसा था, पकड़े जाने पर उसे साढ़े 13 साल की सजा हुई थी। वह दिल्ली की तिहाड़ जेल से 15 साल बाद लौटा है। इसी तरह असगर अली 2010 में समझौता एक्सप्रेस के जरिए भारत आया था। यहां पर दिल्ली में उसका वीजा अवधि खत्म हो गई और वह जोधपुर चला गया। वहां पकड़े जाने पर उसे 10 साल की सजा हुई थी और उसे जोधपुर जेल में रखा गया और अब वह भी 15 साल बाद लौटा है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत एक नशा तस्कर की 75 लाख रुपये कीमत की 4 मरला ज़मीन के साथ एक दो मंजिला रिहायशी घर अटैच

श्रीनगर, 28 नवंबर । गैर-कानूनी नशीली दवाओं के धंधे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में श्रीनगर पुलिस ने आज नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत लगभग 75 लाख रुपये कीमत की 4 मरला ज़मीन के साथ एक दो मंजिला रिहायशी घर अटैच किया।

यह प्रॉपर्टी उस्मानिया कॉलोनी बादामवारी, लाल बाजार में है और उसी इलाके के रहने वाले वली मोहम्मद शेख के बेटे अर्शीद अहमद शेख के नाम पर है। आरोपी आदतन ड्रग पेडलर है और पुलिस स्टेशन लाल बाजार में सेक्शन 8 और 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर नंबर 50/2025 और पुलिस स्टेशन जानीपुर, जम्मू में सेक्शन 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर नंबर 31/2025 में शामिल है।

जांच के दौरान यह पता चला कि यह संपत्ति ड्रग ट्रैफिकिंग से हुई कमाई से खरीदी गई थी। इसके अनुसार सक्षम अधिकारी ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत कुर्की के आदेश जारी किए। यह कुर्की खानयार के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास और दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई ताकि कानूनी औपचारिकताओं का पूरा पालन हो सके। आदेश के अनुसार मालिक को अब उस संपत्ति को बेचने, ट्रांसफर करने, बदलने या उसमें कोई तीसरे पक्ष के हित में बनाने से मना किया गया है। श्रीनगर पुलिस ड्रग तस्करों पर अपनी कार्रवाई तेज करने और समाज को बढ़ते ड्रग के खतरे से बचाने के लिए उनके फाइनेंशियल और ऑपरेशनल नेटवर्क को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस और सीआरपीएफ ने लालचौक में चलाया तलाशी अभियान, होटलों की भी तलाशी ली

श्रीनगर, 28 नवंबर । श्रीनगर पुलिस ने सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स की 132 बटालियन व 13 बटालियन की महिला कंपनी के जवानों के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह शहर के लालचौक इलाके में संयुक्त रूप से तलाशी अभियान और औचक सत्यापन अभियान चलाया।

अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान होटल, गेस्ट हाउस और दूसरी रहने की जगहों पर केंद्रित था क्योंकि राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा गैर-कानूनी कामों के लिए रहने की जगहों का गलत इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों के बारे में इंटेलिजेंस इनपुट्स को देखते हुए सुरक्षा उपायों को बढ़ाया गया है।

अभियान के दौरान टीमों ने गेस्ट और स्टाफ़ मेंबर्स के क्रेडेंशियल्स चेक किए और होटल मैनेजमेंट द्वारा बनाए किए गए रिकॉर्ड्स को सत्यापित किया। अधिकारियों ने कहा कि यह पक्का करने के लिए कि इलाके में कोई गैर-कानूनी या संदिग्ध लोग न रह रहे हों, जांच व्यवस्थित तरीके से की गई। महिलाओं की टीम को खास तौर पर महिलाओं की तलाशी और वेरिफिकेशन करने के लिए तैनात किया गया था। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह संयुक्त अभियान श्रीनगर के व्यस्त वाणिज्यिक क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के मकसद से किए गए बचाव के सुरक्षा उपायों का हिस्सा था।

अवंतीपोरा में प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर, 28 नवंबर । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अवंतीपोरा में सुरक्षाबलो के साथ मिलकर प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और आतंकवादियों की मदद करने वाले एक आतंकवादी सहयोगी को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नानेर मिदूरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली खुफ़िया जानकारी कापर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180 बटालियन के साथ एक संयुक्त अभियान में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकवादी साथी जिसकी पहचान नजीर अहमद गनई के बेटे अब्दुल अजीज गनई निवासी गनई मोहल्ला नानर के रूप में हुई है को पकड़ा गया। लगातार पूछताछ के दौरान और उसके खुलासे पर आरोपी के बगीचों में मौजूद एक आतंकवादी ठिकाने का पता चला। ठिकाने से सुरक्षा बलों ने 02 हैंड ग्रेनेड, 01 डेटोनेटर, और विस्फोटक जैसी चीज़ें बरामद कीं जिन्हें आगे की जांच के लिए ज़ब्त कर लिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के अनुसार एक एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में ठिकाने को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया है और आतंकी सहयोगी को जेल में बंद कर दिया गया है। यह बताना ज़रूरी है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी जिला पुलिस अवंतीपोरा के त्राल और अवंतीपोरा इलाकों में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने और हथियार और गोला-बारूद के परिवाहन में मदद करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

घर के लिए खुद तैयार करें स्पैशल कर्टेन

घर छोटा हो या बड़ा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन यह स्टाइलिश और अच्छे तरीके से सजा-संवरा होना चाहिए ताकि घर का कोना-कोना आपको आकर्षित करें। बढ़िया पेंट, दरवाजे-खिड़कियां और मॉडर्न जमाने का फर्नीचर घर की शोभा बढ़ाते हैं। एक और चीज जो घर की सजावट में अहम रोल निभाती है, वह है कर्टेन यानी की पर्दे। इसके बिना घर खाली खाली सा लगता है। यह डैकोरेशन के साथ-साथ कमरों के पार्टिशन और प्राइवेसी को भी बनाए रखने में मदद करते हैं।

वैसे तो आपको मार्किट में बहुत सारे डिजाइन्स और स्टफ में हर क्लर का पर्दा आसानी से मिल जाएगा आप ऑनलाइन साइट्स से भी अपने मनपसंद पर्दे चूज कर सकती है और मंगवा सकती है लेकिन अगर आपको लगता है कि यह आपके बजट में फिट नहीं बैठ रहे और काफी महंगे पड़ रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप घर पर ही पर्दे बना सकती हैं जो काफी सस्ते भी पड़ेंगे। वैसे यह काम आसान नहीं है इसके लिए आपको मेहनत तो करनी ही पड़ेगी। चलिए आज हम आपको ईजी वे बताते हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से कर्टेन तैयार कर सकते हैं। चलिए, जानते हैं पर्दे बनाने के तरीके- सबसे पहले आपको कर्टेन का सहीं नाप और सिलाई करनी आनी चाहिए। आजकल तो फ्रिल वाले और डबल कर्टेन काफी ट्रैंड में चल रहे हैं। इसी के साथ कर्टन का चुनाव पेंट के हिसाब से करें। अगर कर्टेन किसी और रंग का और पेंट किसी और रंग का होगा तो पूरा कमरा अटपटा सा लगेगा लेकिन हां आप कंट्रास्ट मैंचिग कर सकते हैं जैसे- ग्रे लाइट दीवारों के साथ ग्रे डार्क कर्टेन। -अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां पड़ी हैं तो आप उनका इस्तेमाल कर्टेन के तौर पर कर सकते हैं। सिल्क की साड़ियों से बने पर्दे बहुत ही ग्रैसफुल लगते हैं। सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दो के लिए सबसे बेस्ट मानी जाती हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। -वैसे आजकल तो सर्दी के मौसम में शनील (Shannile Applique) के कर्टेन भी खूब ट्रैंड में हैं। यह देखने में तो आकर्षक लगते ही हैं साथ ही हवा से बचाव करते हैं, जिससे कमरा गर्म रहता है। अगर आप शनील के कर्टेन नहीं लगाना चाहते तो इसकी जगह पर आप किसी मोटे स्टफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। आजकल लोग इस तरह के कर्टेन को ज्यादा प्रेफर करने लग गए हैं क्योंकि यह सिंपल सॉबर और डिसेंट सी लुक देते हैं।

- आपके पास ऐसे बहुत सारे दुपट्टे होंगे, जिसके सूट आप पहनकर खराब कर चुके हैं। इन्हें बेकार मत जाने दें। 3-4 दुपट्टों को आपस में मिलाकर पर्दो के रूप में इस्तेमाल करें। - स्टॉल्स या पुरानी चादरों से भी आप घर के लिए सस्ते पर्दे बना सकते हैं। आप 2 से 3 चादरों या स्टॉल्स को आपस में मिक्स करके भी पर्दे तैयार कर सकते हैं। इन्हें आप चैक या स्ट्रैप्स स्टाइल में भी तैयार करें जो देखने में भी बहुत ही क्लरफुल लगेंगे। दूसरा इन पुरानी चीजों का किसी अच्छी जगह पर इस्तेमाल होता है। - अगर आप चाहते हैं कि कमरों में पर्दे भी लगें हो और रोशनी भी पूरी रहे तो पतले कपड़े में कर्टेन लगाएं और लाइट क्लर को प्रैफर करें। -पहले लोग मेजपोश और सोफों को कवर करने के लिए क्रोशिए से बने छाड़ से सजाते थे लेकिन अब तो क्रोशियों के पर्दे भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। ये आपके घर को आर्टिस्टिक लुक देते हैं।

इस तरह के केमिकल को घर में कभी न रखें, नही तों...

घर की साफ-सफाई के लिए हम सभी बाजार से बहुत से ऐसे प्रोडक्ट्स लाते हैं जिनसे सफाई आसानी से हो सके। पर हम सब यह नहीं जानते कि इन प्रोडक्ट्स को घर पर रखना हमारी सेहत के लिए अच्छा नही होता क्योंकि इन उत्पादों में बहुत से ऐसे रसायन विषाक्त छुपे होते है जिनके कारण घर प्रदूषित होता है। आज हम आपको कुछ ऐसे प्रोडक्ट्स के बारे में बताएगे जिनहे आप घर पर कभी न रखें।

खतरनाक केमिकल प्रोडक्ट

1. बाथरूम में टाइल क्लीनर हम सभी जानते है कि घर में सबसे ज्यादा साफ-सफाई की जरुरत बाथरूम में होती है। बाथरूम को साफ करने के लिए हम सभी बहुत से हाईड्रोक?लोरिक, एसिड और केमिकल आदि का उपयोग करते है। पर आपके बता दें कि इन सब के उपयोग से आपको अस्थमा की दिकत हो सकती है और आपको लीवर भी डैमेज कर सकते हैं। इस लिए आप इसे साफ करने के लिए सिरका, वॉशिंग सोडा या बोरॉक्स का प्रयोग कर सकते है।

2. क्लीनर और सोप

क्लीनर में ऐसे बहुत से रसायन पाए जाते है जो कि प्रतिरक्षा प्रणाली, प्रजनन शक्ति को कमजोर करता है। उसकी जगह पर आप साधारण साबुन या एंटीबैक्टीरियल सोप से ही हाथ धो सकते है।

3. एयर फ्रेशनर

हम सभी घर को महकाने के लिए जिस रूम फ्रेशनर का इस्तमाल करते हैं वह हमारे लिए अच्छे नही होते है। इसका उपयोग करने से हमें एलर्जी, त्वचा रोग, म्यूकस मेंबरेन में जलन, जोड़ो और सीने मे दर्द पैदा हो सकता है। ऐसे मे आप घर में फ्रेश हवा को अंदर लाने के लिए दरवाजों व खिड़कियां खोल कर रखें। अगर आप घर को महकाना चाहती है तो आप फूलों का इस्तमाल भी कर सकती है।

4. डिशवॉशर

घर में बर्तनों को साफ करने के लिए जिस डिशवॉशर का हम उपयोग करते है अगर वह सूखा है तो उसका प्रयोग न करें क्योंकि इसे हमारी आंखों में तकलीफ, त्वचा में जलन और खुजली होनी शूरु हो जाती है। इसलिए हमेशा बाजार से अच्छी क्वालिटी के डिटर्जन्ट डिशवॉशर लाकर ही प्रयोग करें।

5. कार्पेट को साफ करने के लिए क्लीनर कार्पेट या गलीचे को साफ करने के लिए जिस क्लीनर का हम उपयोग करते है उनमें ड्राय क्लीनिंग के लिए प्रयोग होने वाला केमिकल इस्तमाल होता है जो कि इंसान के लीवर, किडनी और नर्वस सिस्टम पर काफी बुरा असर डालता है। ऐसे में आप कार्पेट या गलीचे को साफ करने के लिए नमक, फ्रूट जूस या वाइन का इस्तेमाल कर सकते है।

एक बार पहने हुए कपड़ों की इस तरह से करें संभाल...

अकसर हम सभी कपड़ों को पहनने के बाद उतार कर ऐसे ही अलमारी में रख देते हैं, पर हमें ऐसे नही करना चाहिए क्योंकि उतारे हुए कपड़ों में बहुत से संक्रमण होते हैं। अगर आपके कपड़ों में पसीने की गंध नही आ रही तो इसका मतलब यह नहीं है कि अपके कपड़ें दुबारा पहनने के लायक है। अगर आप इन कपड़ों को ऐसे ही पहन लेंगे तो आप बीमार भी हो सकते है। तो आइए जानते है इन कपड़ो की संभाल करने के बारे में।

1. अगर आप पहने हुए कपड़े को उतारने के बाद में अल्मारी में रखते है तो ऐसा न करें क्योंकि उन कपड़ों को पहनने से ऐसे संक्रमण आ जाते हैं जो दुसरे कपड़ो में भी फैल सकते है। इसलिए पहने हुए कपड़ो को उतार कर अलमारी में रखने की जगह धूप में टांग कर सूखाएं।

2. अगर मौसम ठीक न हो और सूरज की रौशनी न मिल रही हो तो उतारे हुए कपड़ो को हैंगर में टांग कर पखे की हवा से सूखा सकते है। ऐसे में आपके कपड़ों में बदबू नहीं रहेंगी।

3. कपड़ो को सुखाने के लिए धूप में सिर्फ एक घंटे तक ही रखें क्योंकि ज्यादा समय तक धूप में रखने से कपड़ों का रंग खराब हो सकता है। कपड़े के सूख जाने पर अलग अलमारी में ही रखें।

4. अगर कपड़ो को ऐसे ही उतार कर छोड देगे तो आपके कपड़े दुबारा पहनने के लायक नहीं रहते।

5. अपने घर में कोई ऐसी जगह जैसे कि कोई खूंटी या फिर दरवाजे के पीछे लगी खूंटी हो तो उस पर उतारे हुए कपड़ो को लटका सकती है। ऐसा करने से गंदे कपड़े साफ कपड़ों के साथ नहीं मिल पाएंगे।

लकड़ी के बर्तनों का चिपचिपापन हटाने के लिए अपनाएं ये आसान से टिप्स

अकसर देखा गया है कि किचेन में जब लकड़ी के बर्तनों पर दाग लग जाते है तो वह आसानी से नहीं निकलते हैं। ऐसे में बर्तनों का नया पन खो जाता है। कभी-कभी ऐसे बर्तनों में से सब्जियों की गंध बहुत ज्यादा आती है जिससे बनाई जाने वाली दुसरी सब्ज़ी में से भी उसकी महक आती है। आज हम आपको कुछ स्पेशल टिप्स देंगे जिससे अपनाकर आप घर पर आसानी से लकड़ी के बर्तनों की गंध को दूर करके उनहें चमका सकते है।

1. लकड़ी के बर्तनों को नींबू से साफ करें

अगर लकड़ी के बर्तनों में से बहुत ज्यादा गंद आती है तो आप नींबू लेकर उसके रस को निकाल लें। अब इसें गर्म पानी को मिला कर इसकें घोल में बर्तन को डुबों कर 15 मिनट कर रख दें। धोने के बाद में इसे सूखाने के लिए सूती कपड़ा लेकर इसे पोंछ दें।

2. सिरका और शहद

कभी-कभी बर्तन इतने ज्यादा गंदे हो जाते है कि साफ करने में बहुत दिकत आती है। ऐसे में आप थोड़ा सा सिरका लेकर उसमें शहद मिला कर दोनों का मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण में सूती कपड़े को भिगो कर बर्तनों को अच्छे से रगड़ें।ऐसे करने से आपके बर्तनों में चमक भी आ जाएगी। धोने के बाद में आप इन बर्तनों को धूप में भी सुखा सकते है।

3. पानी में नमक डालकर

आप पानी उबले हुए पानी में नमक डालकर इन बर्तनों को 5 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। बाद मे उनहे निकाल कर आप किसी कपड़े से पोंछ कर सूखने के लिए धूप में रख दें।

4. साइट्रस फरूट

साइट्रस फरूट में साइट्रस की मात्रा ज्यादा होती है, जिसके कारण वह खट्टे होते हैं। इसके खट्टे से भी आप लकड़ी के बर्तनों को साफ कर सकती है।

5. बेकिंग सोडा में नींबू का रस

इन लकड़ी के बर्तनों में से गंध और चिपचिपापन हटाने के लिए आप एक कटोरी में बेकिंग सोडा और नींबू का रस लोकर बर्तनों को इस मिश्रण से साफ करें। साफ करने के बाद इसकी शाइन नए जैसे बनाए रखने के लिए इन बर्तनों को धूप में सूखाएं।

6. पानी

आप जब भी लकड़ी के बर्तनों को साफ करे तो ध्यान दे कि पानी गुनगुना होना चाहिए। ऐसा करने से गंध और चिकनाई वाले बर्तन आसानी से साफ हो जाते है और समय भी कम लगता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान शुरू, क्या यह वाकई नई उम्मीद जगाएगा?

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने हाल ही में कठुआ से अपने संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य पार्टी के संगठन को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना है। हालांकि, इस अभियान के साथ ही स्थानीय राजनीति में कई सवाल भी उठने लगे हैं। क्या कांग्रेस को पहले अपने संगठन की हालत नहीं सुधारनी चाहिए? स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी के कई पदाधिकारी ऐसे हैं जिन्हें लोग एक्सपायर्ड इंजेक्शन कहने लगे हैं, क्योंकि इनकी अध्यक्षता में न कोई विधानसभा चुनाव जीता गया, न पंचायत, डीडीसी का कोई सदस्य कांग्रेस से चुनकर आया है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कुछ नेता सिर्फ अखबारों की सुर्खियाँ और सोशल मीडिया पर लाइक्स बटोरने के लिए सक्रिय दिखते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर संगठन में उनकी कोई भूमिका या मेहनत दिखाई नहीं देती। इससे संगठन जमीनी स्तर पर ठप हो गया है और कार्यकर्ताओं में निराशा है। रणनीति का पूरी तरह अभाव है, जिससे पार्टी की स्थिति और भी खराब हो गई है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस का नया अभियान वाकई नई उम्मीद जगाएगा, या फिर यह भी सुर्खियाँ बटोरकर बाजार में गायब हो जाएगा? पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन का है, जिसमें उसे अपने संगठन की कमियों को दूर करना होगा और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना होगा। तभी वह आगामी चुनावों में सफलता प्राप्त कर सकती है।

जीडीसी महानपुर ने डिस्प्ले योर टैलेंट में चार ट्रॉफी जीतीं

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर ने विश्वविद्यालय परिसर कठुआ में आयोजित डिस्प्ले योर टैलेंट में चार ट्रॉफी जीतीं। कॉलेज ने डिस्प्ले योर टैलेंट में ग्यारह विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया।

कॉलेज दल में छह छात्राएँ मेघा सलारिया (तीसरा सेमेस्टर), शीतल भड़वाल (तीसरा सेमेस्टर), नेहू शर्मा (तीसरा सेमेस्टर), रुचिका शर्मा (तीसरा सेमेस्टर), नंदनी मनकोटिया (प्रथम सेमेस्टर) और निताशा शर्मा (प्रथम सेमेस्टर) शामिल थीं। उन्होंने ग्यारह (11) विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक और कलात्मक आयोजनों में कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया और संस्थान का नाम रोशन किया।

प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन के समग्र पर्यवेक्षण में छात्रों ने अंग्रेजी विभाग की डॉ. रूपाली जसरोटिया के मार्गदर्शन में असाधारण प्रदर्शन किया। छात्रों ने कई स्पर्धाओं में उल्लेखनीय समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। उन्होंने वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी, मेहंदी, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, इंस्टालेशन, क्ले मॉडलिंग, कोलाज और कार्टूनिंग में सक्रिय रूप से भाग लिया। नेहू शर्मा (सेमेस्टर 3) ने क्ले मॉडलिंग इवेंट में पहला स्थान हासिल किया। शीतल भड़वाल (सेमेस्टर 3) और नेहू शर्मा (सेमेस्टर 3) ने कोलाज इवेंट में दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा कॉलेज की टीम ने इंस्टॉलेशन में भी पहला स्थान हासिल किया। इसके अलावा पिछले साल, कॉलेज ने यूनिवर्सिटी कैंपस कठुआ में आयोजित डिस्प्ले योर टैलेंट (रवि जोन) में पेंटिंग और मिमिक्री दोनों में पहला स्थान हासिल किया था।

अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में तीन दिवसीय 60वीं DGP/IGP कॉफ्रेंस का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 28 नवंबर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में तीन दिवसीय 60वीं DGsP/IGsP कॉफ्रेंस का उद्घाटन किया। गृह मंत्री ने नक्सलवाद के समूल नाश के खिलाफ उठाए गए मोदी सरकार के एक्शनेबल प्वाइंट का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने विगत 7 वर्षों में 586 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाकर सुरक्षा घेरे को मजबूत बनाया है और इसी का परिणाम है कि 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी जो आज घटकर सिर्फ 11 रह गई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अगली DGsP/IGsP कॉन्फ्रेंस से पहले देश नक्सलवाद की समस्या से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। श्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 40 साल से देश नक्सलवाद की समस्या का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के लिए नासूर बने 3 हॉटस्पॉट - नक्सलवाद, नार्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर - की समस्या के निराकरण के लिए मोदी सरकार ने स्थायी समाधान दिया है और जल्द ही ये देश के बाकी हिस्सों जैसे बन जाएंगे। गृह मंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (कानूनों को सुदृढ़ बनाया गया, तीन नए आपराधिक कानूनों के साथ ही नारकोटिक्स और भगोड़ों के लिए मजबूत कानून बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि तीनों नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद भारत की पुलिसिंग विश्व में सबसे आधुनिक बन जाएगी।केन्द्रीय गृह मंत्री ने आतंकवाद और उग्रवाद पर मोदी सरकार की कार्रवाई का जिक्र कहते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा पॉपुलर फ्रन्ट ऑफ इंडिया पर बैन लगाने के बाद देशभर में उसके ठिकानों पर छापे मार कर गिरफ्तारियां की गईं, जो केंद्र - राज्य के समन्वय का उत्तम उदाहरण है।

आईपीएस ने भगवती नगर, जम्मू के पास चौथे तवी पुल का दौरा किया

जम्मू, 28 नवंबर (हि.स.)। जम्मू के तवी क्षेत्र में भीड़भाड़ और धीमी गति से यातायात की लगातार रिपोर्ट मिलने के बाद यातायात प्रवाह का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्षेत्र में कैनाल हेड, बख्शी नगर और बीसी रोड-इंदिरा चौक जम्मू शामिल हैं।

डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल, आईपीएस के साथ श्री अमित भसीन-जेकेपीएस, एसएसपी ट्रैफिक सिटी जम्मू, श्री अरविंदर सिंह कोतवाल-जेकेपीएस, एडिशनल एसपी और श्री सतीश भारद्वाज-जेकेपीएस, एसडीपीओ बख्शी नगर भी मौजूद थे।

राकेश संब्याल, डीटीआई बिक्रम चौक, एसआई रवि दत्त, प्रभारी डीटीआई तालाब तिल्लो, इंस्पेक्टर अनिल जाद, डीटीआई बख्शी नगर और स्थानीय क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी भी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में निरीक्षण स्थल पर मौजूद थे।

यात्रा के दौरान, डीआईजी यातायात ने मौजूदा यातायात नियमन तंत्र, सड़कों की स्थिति और व्यस्त समय में वाहनों की भीड़ की समीक्षा की।

उन्होंने सुचारू वाहन आवाजाही को प्रभावित करने वाली वास्तविक समय की समस्याओं का आकलन करने के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों, यातायात कर्मियों और स्थानीय यात्रियों से बातचीत की।

अनुचित लेन अनुशासन, सड़क किनारे पार्किंग और पुल के रास्ते पर भारी यातायात दबाव सहित कई अड़चनों की पहचान की गई।

नशे को ना कहें और खेल को हाँ नारे के साथ संपन्न हुआ टूर्नामेंट

जम्मू, 28 नवंबर (हि.स.)। जम्मू वेटरन लीग क्रिकेट टूर्नामेंट संस्करण 1 का उद्घाटन केशव चोपड़ा की अध्यक्षता में संवेदना क्लब द्वारा सफलतापूर्वक संकल्पित और आयोजित एक कार्यक्रम यूनाइटेड क्रिकेट क्लब द्वारा चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतने के साथ कल अपने भव्य समापन पर पहुंच गया।

20 नवंबर, 2025 को शुरू हुआ 10 दिवसीय टूर्नामेंट एक शक्तिशाली और आवश्यक सामाजिक संदेश के साथ गूंजता रहा, जो ड्रग्स को ना कहें और खेल को हाँ के बैनर तले चल रहा था।

समापन समारोह में प्रतिष्ठित राजनीतिक हस्तियाँ उपस्थित थीं। सत शर्मा सीए भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया जबकि जम्मू पूर्व के विधायक युद्धवीर सेठी ने सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया।

दर्शकों में अन्य प्रमुख विशेष आमंत्रित सदस्य भी शामिल थे जैसे पूर्व मंत्री प्रिया सेठी, भाजपा उपाध्यक्ष रेखा महाजन, भाजपा महासचिव संजीता डोगरा और गोपाल महाजन, और सचिव रीमा पाधा और अरुण कुमार शर्मा, परभारी जम्मू बृजेश्वर सिंह राणा और जिला अध्यक्ष भाजपा राजेश गुप्ता।

समारोह में बोलते हुए सत शर्मा ने अपनी सराहना करते हुए कहा कि मैं इस तरह के सार्थक संदेश के साथ टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए संवेदना क्लब और केशव चोपड़ा को दिल से बधाई देता हूं।

नशे को ना कहें और खेल को हां का नारा जम्मू-कश्मीर के लिए समय की मांग है।

खेल हमारे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाने का एक शक्तिशाली साधन है। क्रिकेट के माध्यम से शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और टीम वर्क को बढ़ावा देकर, हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे के खिलाफ लड़ाई में सीधे योगदान दे रहे हैं।

किसान मेले के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएंगी योजनाएं : जसरोटिया

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के घाटी में आगामी 2 दिसंबर को एक विशाल किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार और यूटी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को किसानों तक पहुंचाना है। विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि सरकारी बाबुओं के रवैये और विभागों की लापरवाही के कारण किसानों तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है। इसलिए इस किसान मेले के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जाएगा और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। जसोटा विधानसभा क्षेत्र में दो दिसंबर को घाटी क्षेत्र में किसान मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उमर अब्दुल्ला सरकार के मंत्री जाविद अहमद डार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। जिसकी तैयारियों को लेकर स्थानीय विधायक राजीव जसोटिया ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक के बाद विधायक ने लोगों से अपील की कि वे इस मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे और सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। विधायक राजीव जसरोटिया ने जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के तमाम लोगों और किसानों से अपील की है कि वे 2 दिसंबर को किसान मेले में आएं और इन योजनाओं का लाभ लें। इस मेले में किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और उन्हें लाभ दिलाया जाएगा। जसरोटिया ने कहा कि किसान मेले का उद्देश्य केंद्र सरकार और यूटी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को किसानों तक पहुंचाना, किसानों को जागरूक करना और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना और सरकारी बाबुओं के रवैये और विभागों की लापरवाही को दूर करना है।

तीन नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बनी में तीन नए आपराधिक कानूनों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसकी अध्यक्षता डीएसपी एसओजी बनी अमीन भट्ट और एसएचओ थाना बनी सुरिंदर रैना ने की। इस कार्यक्रम में जीडीसी बनी के प्रधानाचार्य, स्टाफ और छात्र आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को तीन नए आपराधिक कानूनों के बारे में शिक्षित करने, उनके निहितार्थ और महत्व पर जोर देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस अवसर पर डीएसपी एसओजी बनी ने इन कानूनों के बारे में जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों और कर्मचारियों को इनसे अवगत रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में एक संवादात्मक सत्र भी शामिल था जिसमें उपस्थित लोगों को अपनी शंकाओं का समाधान करने और विषय से जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज समुदाय के बीच नए कानूनों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देना था।

बंदरों के आतंक पर विधायक ने चिंता जताई

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। जम्मू कश्मीर के कंडी क्षेत्र में बंदरों के आतंक ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात इतने खराब हो गए हैं कि लोगों ने फसल उगाना ही छोड़ दिया है। विधायक राजीव जसरोटिया ने इस मुद्दे पर चिंता जताई है और कहा है कि यह सिर्फ कंडी क्षेत्र का ही नहीं, बल्कि पूरे जम्मू कश्मीर का मसला है। विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि जंगलों की कटाई के कारण जानवरों का भोजन समाप्त हो गया है, जिसके चलते वे आबादी की ओर बढ़ रहे हैं। इससे किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं और लोग खेती-बाड़ी करना छोड़ रहे हैं। विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि वह इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे और इसके लिए ठोस कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले असेंबली सेशन में इस पर चर्चा की जाएगी और किसानों की समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी।

नशा विरोधी उपायों पर हुई चर्चा, हॉटस्पॉट की पहचान प्रवर्तन और आईईसी आउटरीच पर ध्यान केंद्रित

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। जिले में नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के उद्देश्य से डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने कार्यान्वयन और प्रवर्तन उपायों की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय समन्वय और निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उपायुक्त ने हॉटस्पॉट की पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया और एडीसी और एसडीएम को नशीली दवाओं और नशीले पदार्थों से संबंधित उल्लेखनीय गतिविधियों वाले क्षेत्रों का मानचित्रण करने का निर्देश दिया। उन्होंने जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। स्कूल शिक्षा विभाग को कोचिंग सेंटरों में सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने और सीएसआर पहलों के सहयोग से सरकारी स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया गया। स्कूलों और कॉलेजों को भी मनोविज्ञान संकाय का उपयोग करके नियमित सत्र आयोजित करने के लिए कहा गया ताकि कमजोर छात्रों की काउंसलिंग और शीघ्र पहचान में मदद मिल सके। युवा सेवा एवं खेल विभाग को रचनात्मक भागीदारी और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए खेल गतिविधियों का आयोजन और खेल उपकरण उपलब्ध कराकर युवाओं की भागीदारी बढ़ाने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार आबकारी विभाग को अवैध गतिविधियों का पता लगाने के लिए जिले का विस्तृत मानचित्रण करने और सभी संवेदनशील इलाकों में प्रवर्तन को तेज करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कठुआ के जिला पुलिस अधिकारी को जमीनी स्तर पर जागरूकता प्रयासों को मजबूत करने हेतु सभी हितधारकों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रव्यापी अभियान आपकी पूँजी आपका अधिकार के तहत जिला स्तरीय शिविर आयोजित

कठुआ, 28 नवंबर (हि.स.)। अग्रणी बैंक कार्यालय कठुआ द्वारा वित्तीय हितधारकों के सहयोग से शुक्रववार को राष्ट्रव्यापी अभियान आपकी पूँजी, आपका अधिकार के अंतर्गत एक विशाल जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया।

गौरतलब है कि वित्त मंत्री द्वारा 04 अक्टूबर, 2025 को शुरू किया गया और अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य आरबीआई, एमसीए, सेबी, आईआरडीएआई और पीएफआरडीए द्वारा विनियमित अघोषित निधियों के निपटान को सुविधाजनक बनाना है। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सभी वित्तीय संस्थानों से वास्तविक दावेदारों का पता लगाने के लिए सक्रिय प्रयास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अभियान नागरिकों को उनके लंबे समय से लंबित वित्तीय बकाया को पुनः प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बैंकों के बीच समन्वय की सराहना की और उनसे दावा न किए गए खातों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के लिए गति बनाए रखने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में आरबीआई की उप महाप्रबंधक विभा गुप्ता, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अंकुर शर्मा, जम्मू-कश्मीर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक पुरुषोत्तम लाल के साथ-साथ एलआईसी, पीएनबी मेटलाइफ, बजाज आलियांज, एसबीआई लाइफ के अधिकारी और विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक भी उपस्थित थे। भारतीय रिजर्व बैंक की उप महाप्रबंधक विभा गुप्ता ने प्रतिभागियों को देश भर में अपनाई जा रही 3ए रणनीति, जागरूकता, सुगम्यता और कार्रवाई के बारे में जानकारी दी।

माँ शक्ति एनजीओ ने पीएम राहत कोष में दिया योगदान

जम्मू, 28 नवंबर (हि.स.) बच्चों और युवाओं के कल्याण और विकास के लिए समर्पित जम्मू की एक सामाजिक संस्था माँ शक्ति ने भाजपा नेतृत्व को एक चेक सौंपा जिसमें रुपये का दान था। प्रधान मंत्री राहत कोष के लिए 2,30,675। एनजीओ ने अपने अध्यक्ष आरके भान और अन्य के नेतृत्व में औपचारिक रूप से जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा (सीए) और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा को भाजपा मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में योगदान पत्र और डिमांड ड्राफ्ट सौंपा।

मार्तंड सिंह ने संयुक्त सचिव संस्कृति से मुलाकात की, अमर महल उन्नयन पर चर्चा की

जम्मू, 27 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी और अमर सिंह स्पोर्ट्स एवं यूथ इनिशिएटिव के निदेशक मार्तंड सिंह ने नई दिल्ली में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव, सुश्री लिली पंडेया, IAS से मुलाकात की। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उप सचिव, श्री शाह फैसल, IAS भी उपस्थित थे।

मार्तंड सिंह ने जम्मू स्थित अमर महल संग्रहालय के चल रहे विकास कार्यों और प्रस्तावित उन्नयन पर विस्तार से चर्चा की तथा संयुक्त सचिव को इस प्रतिष्ठित संग्रहालय में किए जा रहे संरक्षण और संवर्धन प्रयासों से अवगत कराया।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अमर महल संग्रहालय, जम्मू-कश्मीर की कला एवं सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं इसके कार्यकारी न्यासी डॉ. करण सिंह के संरक्षण में चल रहे छात्रवृत्ति कार्यक्रमों, आयोजनों और पहलों के माध्यम से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर—दोनों क्षेत्रों की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर किया और स्मारकों, संग्रहालयों तथा पारंपरिक कला रूपों के संरक्षण के महत्व पर बल दिया। बैठक के दौरान उन्होंने सुश्री पंडेया, IAS को निकट भविष्य में अमर महल संग्रहालय का दौरा करने के लिए व्यक्तिगत आमंत्रण दिया।

सुश्री पंडेया, IAS ने उन्हें संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की म्यूज़ियम ग्रांट स्कीम तथा देशभर में संग्रहालयों और सांस्कृतिक संस्थानों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की अन्य पहलाओं के बारे में जानकारी दी।

मार्तंड सिंह ने संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय और इसके माननीय मंत्री, भारत सरकार, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा किए जा रहे प्रयासों के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA

Tele/Fax :01924-253998/

Notice Inviting Tender

e-NIT No.: - MID/AN/75 Dated: -27/11/2025

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S.No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
1	Repair to 250 KVA Voltage stabilizer and 100 HP 3 phase induction motor of unit no.01 at LIS Aryanpura	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	10 Days	Registered /Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 27/11/2025 (05:00PM) to 04/12/2025 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 29/11/2025 (10:00 AM) to 04/12/2025 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 28/11/2025 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 05/12/2025 (1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.

No: - MID/AN/1263-67 Dated: - 27-11-2025

DIP/J-8428/25
Dtd: 28-11-2025

-Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

संपादकीय

किसी को न छोड़ें

जब सरकार कट्टरपंथ की गंभीर चुनौती से निपटने की कोशिश कर रही है, ऐसे समय में यह आवश्यक हो गया है कि युद्धस्तर पर कदम उठाए जाएँ ताकि कोई भी सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर शांति भंग न कर सके, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में, जो कई दशकों से इस समस्या से जूझ रहा है।

चूँकि सोशल मीडिया अवांछनीय तत्वों को साम्प्रदायिक रूप से संवेदनशील और शांति-विरोधी सामग्री पोस्ट करने का अवसर देता है, इसलिए यह जरूरी है कि पुलिस सहित संबंधित एजेंसियाँ सतर्क रहें ताकि कोई भी व्यक्ति समुदायों के बीच शांति, सौहार्द और सामंजस्य को खतरे में न डाल सके।

जहाँ तक जम्मू-कश्मीर का संबंध है, कुछ तत्व ऐसे भी हैं जो अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए जनता को साम्प्रदायिक आधार पर भड़काकर समुदायों के बीच फूट डालने की कोशिश करते हैं, जिससे क्षेत्र की शांति और स्थिरता खतरे में पड़ जाती है।

इसीलिए, यह अनिवार्य है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ और क्षेत्र में शांति बनाए रखने वाली अन्य संस्थाएँ हर समय सतर्क रहें और सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति या समूह को केंद्र शासित प्रदेश के किसी हिस्से में भाईचारे और सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करने की अनुमति न दी जाए।

इस संदर्भ में, डोडा पुलिस बधाई की पात्र है, जिसने सोशल मीडिया पर कथित रूप से साम्प्रदायिक रूप से संवेदनशील और उकसाने वाली सामग्री अपलोड करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। देश की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए, जहाँ शांति-विरोधी ताकतें विभिन्न समुदायों के सदस्यों — जिनमें डॉक्टर जैसे उच्च शिक्षित और व्हाइट-कॉलर पेशेवर भी शामिल हैं — को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिश कर रही हैं, ऐसे सभी दुष्प्रवृत्त तत्वों पर पैनी नजर रखना आवश्यक है।

डोडा से सामने आए मामले में, आरोपी पर फेसबुक पर बार-बार भड़काऊ भाषणों की लाइव-स्ट्रीमिंग का आरोप है। पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया कि 26 नवंबर को आरोपी ने फेसबुक पेज पर एक विशेष समुदाय को निशाना बनाते हुए अभद्र, आपत्तिजनक और साम्प्रदायिक टिप्पणियाँ पोस्ट कीं, जिन्हें बाद में कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने साझा भी किया।

यह उल्लेखनीय है कि इसी व्यक्ति को मार्च 2023 में भी इसी तरह के आरोपों पर गिरफ्तार किया गया था। डोडा पुलिस ने समय पर कार्रवाई करके परिपक्वता और जिम्मेदारी का परिचय दिया है, लेकिन आज के डिजिटल युग में यह ज़रूरी हो गया है कि पुलिस और अन्य सरकारी एजेंसियों के संबंधित प्रकोष्ठ ऐसे मामलों में किसी को भी बख्शें नहीं।

सोशल मीडिया पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार स्थितियों को नियंत्रण से बाहर कर सकता है, जैसा कि देश के कई हिस्सों में देखा गया है जहाँ उत्तेजक पोस्टों ने दंगे और सामुदायिक तनाव को जन्म दिया। मामला अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए इसे कठोरता से निपटाया जाना चाहिए, जिससे कोई भी व्यक्ति अपनी मनमर्जी से ऑनलाइन व्यवहार न कर सके और निर्दोष लोगों के जीवन तथा संपत्ति को खतरे में न डाले।

भारत का खेल उदय- CWG 2030 से ओलंपिक महत्वाकांक्षा तक, वैश्विक प्रतिष्ठा के नए युग की ओर

डॉ. मनसुख मांडविया

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 26 नवम्बेर, 2025 कोऔपचारिक तौर पर भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्षके लिए2030 राष्ट्रमंडल खेलों का मेज़बान घोषित किया, जो देश की खेल यात्रा में एक अहम पल है। यह सिर्फ़ एक बड़ी मेज़बानी का अधिकार नहीं है, यह दुनिया भर में एक पहचान है कि भारत बड़े अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा मेज़बानों में से एक बन गया है, और एक ऐसा देश है जो ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करने के अपने लंबे स्वप्न की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय खेल समुदाय के लिए, यह घोषणा एक ऐसे यथार्थ की पुष्टि करती है जो पिछले एक दशक से लगातार आकार ले रहा है।

भारत को अब बड़े पैमाने पर एक भरोसेमंद, ज्यादा क्षमता वाला और एथलीट-केंद्रित मेज़बान माना जाता है, जो बड़े पैमाने, कुशलता और गर्मजोशी के साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप आयोजन करता है। इस पहचान को दुनिया भर के खेल अग्रणियों ने लगातार माना है। अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अपने दौरे के दौरान, पैरा-स्पोर्ट में भारत की आयोजनात्मक उत्कृष्टता और तीव्र प्रगति की तारीफ़ की। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई जाने-माने खिलाड़ियों ने भी भारत की सुविधाओं, चिकित्सा सहायता, प्रतियोगिता प्रबंधन और सम्पूर्ण एथलीट अनुभव की तारीफ़ की।

इसी तरह, विश्व बॉक्सिंग अध्यक्ष ने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फ़ाइनल में शामिल होने के लिए हाल ही में भारत के अपने दौरे के दौरान, देश को विश्व बॉक्सिंग का एक स्तम्भ बताया, और भारत कीव्यवसायिकता और मेज़बानी की क्षमता की तारीफ़ की। ये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन एक बहुत बड़ी भावना को पुष्ट करते हैं। भारत एक ऐसे स्तर पर पहुँच गया है जहाँ वैश्विक खेल समुदाय उसे सबसे ज्यादा महत्व वाले आयोजनों के लिए सक्षम देश मानती है।

यह विश्वासपिछले एक दशक में मोदी सरकार के अधीन खेल क्षेत्र और अर्थव्यवस्था दोनों में लगातार बदलाव का नतीजा है। भारत की मैक्रोइकोनॉमिक स्थिरता,बढ़ती वैश्विक आर्थिक रैंकिंग और मज़बूत राजकोषीय स्तिथि ने देश के इतिहास में खेलों में इतने बड़े पैमाने पर निवेश को मुमकिन बनाया है।

2013-14 में युवा कार्य और खेल मंत्रालय का कुल आवंटन 1,093 करोड़ था। 2025-26 में यह बढ़कर 3,794 करोड़ हो गया है, जो मात्र एक दशक में लगभग 250 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इस निवेश में आई भारी वृद्धि ने देशभर में एक व्यापकखेल पुनर्जागरण को गति दी है खेलो इंडिया औरअस्मिता महिला लीग जैसी पहलों के माध्यम से जमीनी स्तर पर खेल विकास राज्यों में व्यापक रूप से फैल चुका है, जिनके साथ 1,050+ से अधिक खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना की गई है जो ज़िला स्तर पर कोचिंग, खेल-सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध कराते हैं।

साथ ही, भारत नेटार्गेट अलिम्पिक पोडीयम स्कीम और एक नई स्कीमटार्गेट एशियन गेम्ज़ ग्रूप (TAGG) के माध्यम से एक मजबूत उच्च-प्रदर्शन मार्ग विकसित किया है, जो एथलीटों को शीर्ष स्तरीय प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण और वैश्विक एक्सपोज़र प्रदान करता है।

देश में खेल अवसंरचना अभूतपूर्व गति से बढ़ी है। 350 से अधिक प्रमुख खेल परिसरोंका निर्माण देशभर में पूरा किया जा चुका है या प्रगति पर है, जिससे एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हुआ है जो विश्व-स्तरीय प्रतियोगिताओं को समर्थन देने में सक्षम है। यह अवसंरचना निर्माण केवल आयोजन-विशिष्ट नहीं है, बल्किदीर्घकालिक एथलीट विकासके लिए टिकाऊ, बहुउद्देशीय और भविष्य की खेल आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

भारत की मेज़बानी की क्षमता भी इसके रिकॉर्ड से स्पष्ट होती है। पिछले दशक में भारत ने 20+ शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय खलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है—जिसमें हॉकी विश्व कप, चेस ओलिंपियाड, FIFA -17 विश्व कप, वर्ल्ड पैरा ऐथ्लेटिक्स चैम्पीयन्शिप्स, तथा ICC पुरुषव महिला क्रिकेट विश्व कप शामिल हैं। हर आयोजन ने भारत की उस प्रतिष्ठा को मजबूती दी है कि वह उत्कृष्टता, व्यापक पैमाने, सुरक्षा, व्यवसायिकता और सांस्कृतिक गर्मजोशीके साथ विश्व-स्तरीय आयोजन करता है।

2029 मेंविश्व पुलिस और फ़ायर खेलों की मेजबानी भारत की बहु-खेल आयोजन क्षमता को और सुदृढ़ करेगी, जो CWG 2030 से पहले एक महत्वपूर्ण तैयारी होगी।

इस व्यापक परिवर्तन के केंद्र में हैंप्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने खेल को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया है और उसेविकसित भारत 2047 के बड़े विज़न से जोड़ा है।खेलो भारत नीति औरराष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 जैसे नीतिगत सुधारों ने खेल प्रशासन को आधुनिक बनाया है, पारदर्शिता बढ़ाई है औरएथलीट-प्रथम शासन मॉडल को लागू किया है, जो वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है। इन सुधारों ने भारत की विश्व खेल संगठनों के समक्ष विश्वसनीयता बढ़ाई है और उसे वैश्विक खेल प्रणाली में एक सक्रिय, उत्तरदायी और मजबूत साझेदार के रूप में स्थापित किया है।

2030 राष्ट्रमंडल खेलोंकी मेजबानी का भारत को मिलना कोई एकल घटना या एक सुधार का परिणाम नहीं है।यह अवसंरचना, एथलीट विकास, जमीनी भागीदारी, खेल प्रशासन सुधार और खेल वित्तीय पारिस्थितिकी के सुदृढ़ीकरण में वर्षों से किए जा रहे सतत निवेश का परिणाम है। यह मोदी सरकार की दशकभर की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिसने देश में ऐसे खेल तंत्र, संस्थान और क्षमताएँ विकसित कीं जो आज भारत कोविश्व की सर्वाधिक संभावनाशील और अनुकूल खेल राष्ट्रोंमें सम्मिलित करती हैं।

भारत अब पहचान बनाने की तैयारी नहीं कर रहा, भारत की पहचान बन चुकी है।पिछले दशक में देश सीमित अवसंरचना और छिटपुट प्रदर्शन से बढ़कर अब वैश्विक मान्यता प्राप्त कर चुका है, विश्व-स्तरीय सुविधाएँ, सतत अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन और एक संरचित खेल पारिस्थितिकी जो देश के हर क्षेत्र को जोड़ती है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की घोषणा वह क्षण है जब दुनिया ने आधिकारिक रूप से इस परिवर्तन को स्वीकार किया है।

भारत आजआर्थिक रूप से, संस्थागत रूप से और खेल कौशल के स्तर परविश्व मंच पर एक प्रमुख खेल राष्ट्र के रूप में स्थान बनाने के लिए तैयार है।

(लेखक केंद्रीय युवा कार्य व खेल और श्रम व रोज़गार मंत्रीहैं।)

बदलती विश्व-व्यवस्था और जी-20 की चुनौती

- डॉ. प्रियंका सौरभ

विश्व-राजनीति वर्तमान समय में गहरे परिवर्तनों से गुजर रही है। महाशक्तियों के बीच अविश्वास, क्षेत्रीय युद्ध, आर्थिक संकट, तकनीकी वर्चस्व की होड़, जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे और वैश्विक संस्थाओं में घटती प्रभावशीलता ने विश्व-व्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। ऐसे दौर में जी-20, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करने का सबसे महत्त्वपूर्ण मंच है, स्वयं को अभूतपूर्व चुनौतियों के बीच पाता है। समूह की प्रभावशीलता पर बढ़ते संदेह मात्र इसके कार्य-तंत्र से उत्पन्न नहीं हुए, बल्कि यह बदलती विश्व-स्थिति और बहुध्रुवीयता के असंतुलन का प्रत्यक्ष परिणाम है।

जी-20 की सबसे गंभीर चुनौती गहराता हुआ भू-राजनीतिक विभाजन है।

यूक्रेन क्षेत्र में चल रहा युद्ध, पश्चिम एशिया की अस्थिरता, प्रशांत क्षेत्र में टकराव, बड़े देशों के बीच तकनीकी एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा तथा बढ़ते प्रतिबंधों ने समूह की सहमति-निर्माण क्षमता को कमजोर बनाया है। कई बार ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं कि साझा घोषणा-पत्र निकालना भी कठिन हो जाता है। उदाहरणस्वरूप, जोहान्सबर्ग बैठक में केवल अत्यंत सामान्य रूप से 'स्थायी एवं न्यायपूर्ण शांति' की अपील की गई, क्योंकि सदस्य देशों के दृष्टिकोण आपस में टकराते रहे। यह स्थिति दिखाती है कि वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक स्वर तैयार करना कितना कठिन हो चुका है।

महाशक्तियों के व्यक्तिगत हित कई बार समूह के साझा हितों पर भारी पड़ जाते हैं। इससे उबंटू-अर्थात् मैं हूँ क्योंकि हम हैं-जैसी साझा जिम्मेदारी की मूल भावना क्षीण होती जा रही है। कुछ प्रमुख देशों द्वारा सम्मेलन से दूरी बनाना या महत्वपूर्ण विमर्शों में भागीदारी में अनिच्छा दिखाना, समूह की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। इससे जी-20 उस भूमिका को नहीं निभा पाता जिसके लिए यह बनाया गया था- यानी वैश्विक समस्याओं के समाधान हेतु सामूहिक एवं समन्वित प्रयास।

इसके साथ ही आर्थिक असमानता जी-20 के सामने एक और महत्वपूर्ण चुनौती है। विकसित और विकासशील देशों के बीच आय, तकनीक, स्वास्थ्य-सुविधाएँ, कौशल, ऊर्जा स्त्रोतों और जलवायु वित्त में बढ़ती खाई ने समूह के भीतर संतुलन को प्रभावित किया है। वैश्विक ऋण संकट, विकासशील देशों पर बढ़ता आर्थिक दबाव, मंदी का खतरा और असमान व्यापार-संरचना मिलकर ऐसे परिदृश्य का निर्माण करते हैं जिसमें साझा नीति बनाना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में समूह को जिस सशक्त नेतृत्व और सहयोग की आवश्यकता है, वह कई बार अनुपस्थित दिखाई देता है।

इन जटिल परिस्थितियों के बीच भारत ने जी-20 में अत्यंत सकारात्मक, समावेशी और संतुलनकारी भूमिका निभाई है। भारत ने न केवल वैश्विक दक्षिण की चिंता और अपेक्षाओं को केंद्र में रखा बल्कि ऐसे ठोस कदम भी उठाए जिनका दीर्घकालिक प्रभाव दिखाई देता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाना रही। यह निर्णय न केवल ऐतिहासिक था बल्कि उन विकासशील देशों की पुरानी मांग को भी पूरा करता था जिन्हें वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में बराबरी का स्थान नहीं मिलता रहा। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने विकासशील देशों की वास्तविक आवश्यकताओं पर आधारित कई व्यावहारिक एवं मापनीय पहलों को आगे बढ़ाया। डिजिटल सार्वजनिक संरचना का मॉडल, स्वास्थ्य-सुरक्षा व्यवस्था, कौशल विकास, ग्रामीण एवं कृषि नवाचार, मत्स्य प्रबंधन, पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण, आपदा प्रबंधन में सहयोग और उपग्रह आँकड़ों का साझा उपयोग- ये सभी पहलें विकासशील देशों की आवश्यकताओं से सीधे जुड़ी हैं। विशेषकर अफ्रीका कौशल वृद्धि योजना जैसी पहलें लाखों युवाओं के लिए अवसरों का मार्ग खोलती हैं।

भारत ने वैश्विक सुरक्षा से जुड़े महत्त्वपूर्ण मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया, विशेषकर आतंकवाद और नशीली दवाओं के गठजोड़ को। यह विषय लंबे समय से वैश्विक विमर्श में अपेक्षित महत्व नहीं पाता रहा था। भारत ने इसके विरुद्ध कठोर और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही न्यायपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन, जलवायु वित्त, सतत विकास, तकनीक की समान उपलब्धता और खाद्य-सुरक्षा जैसे विषयों पर भी भारत ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज़ को मजबूत किया।

हालाँकि भारत की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है, फिर भी इसकी कुछ सीमाएँ स्पष्ट रूप से सामने आती हैं। महाशक्तियों के बीच चल रहे तीव्र संघर्षों के बीच भारत सभी पक्षों को एकजुट नहीं कर सका। प्रमुख देशों की अनुपस्थिति को भारत रोक नहीं पाया, न ही यह सुनिश्चित कर सका कि सभी देश साझा घोषणा-पत्र में कठोर रुख अपनाएँ। आतंकवाद पर अपेक्षित कठोर निंदा का शामिल न हो पाना भारत के लिए निराशाजनक था। इसी प्रकार भारत की कई विकास सम्बन्धी पहलें सभी देशों की समान रुचि और समर्थन प्राप्त नहीं कर पाईं, क्योंकि प्रत्येक देश की प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं।

वैश्विक दक्षिण के भीतर भी कई बार मतभेद देखने को मिलते हैं, जिससे समग्र एजेंडा कमजोर पड़ता है। भारत की कूटनीति संतुलनकारी अवश्य है, परन्तु महाशक्तियों के कठोर और प्रतिस्पर्धी रुख के बीच इसकी प्रभाव सीमा सीमित हो जाती है। फिर भी यह निर्विवाद है कि आज वैश्विक दक्षिण का ऐसा कोई और देश नहीं है जो भारत जैसी व्यापक, संतुलित, विश्वासयोग्य और दूरदर्शी भूमिका निभा सके। भारत ने जी-20 के मंच को नई ऊर्जा दी है, वैश्विक दक्षिण के हितों को उचित सम्मान दिलाया है और वैश्विक शासन में समावेशिता की नई परिभाषा प्रस्तुत की है।

अंततः, जी-20 की भविष्य की सफलता उसके सदस्यों की सामूहिकता की भावना, परस्पर विश्वास, और साझा उत्तरदायित्व को पुनर्जीवित करने पर निर्भर करेगी। यदि समूह ऊबंटू- यानी साझा मानवता और साझा दायित्व- के सिद्धांत को पुनः अपनाता है, तो यह वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपट सकता है। भारत ने इस दिशा में मजबूत नींव रखी है और आने वाले समय में उसकी भूमिका और अधिक निर्णायक रूप से उभर सकती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत के कामगारों के लिए नया सवेरा- आधुनिक और दूरदर्शी दौर की शुरुआत हैं नए लेबरकोड

सुश्री वीनूजयचंद

भारत आज़ादी के बाद होने वाले सबसे बड़े श्रम सुधारों मे से एक के करीब है। चार नईश्रम संहिताएं- वेतन संहिता(वेज़ कोड), इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड, सोशल सिक्योरिटी कोड और ऑक्युपेशनल सेफ़्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड- अबलागूहोचुकेहैं। इन संहिताओं का उद्देश्य पुराने और जटिल 29 केंद्रीय मज़दूरी क़ानूनों की जगह एक सरल, तकनीक-आधारित और मज़दूर-केंद्रित व्यवस्था स्थापित करना है।

यह सुधार सिर्फ़ प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन है, जो यह दिखाता है कि भारत एक न्यायपूर्ण, प्रतिस्पर्धी, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कार्यबल प्रणाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यही प्रणाली आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार देती है।

कई दशकों तक भारत में मज़दूरी कानून बहुत बिखरे हुए और एक-दूसरे से ओवरलैप करते रहे। इससे उद्योगों पर भारी नियमों का बोझ पड़ा और अनुपालन करना मुश्किल हो गया। केंद्र और राज्य के अलग-अलग क़ानूनों के तहत कई तरह के पंजीकरण, लाइसेंस और निरीक्षणों ने लागत बढ़ाई, मज़दूरों के कल्याण से ध्यान हटाया और अक्सर उद्योग और सरकार के बीच अविश्वास पैदा किया। क़ानूनों के बिखराव और अस्पष्टता के कारण लागू करने की प्रक्रिया भी कमजोर रही, जिससे इंस्पेक्टर राज जैसे मनमाने तरीके पनपे और पारदर्शिता कमज़ोर हुई।

नई मज़दूरी संहिताएं पूरे देश में परिभाषाओं और अनुपालन नियमों को एक जैसा बनाती हैं। इसके साथ ही वन नेशन, वन लेबर लॉ का सिद्धांत लागू होता है। इससे नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को स्पष्ट, सरल और न्यायपूर्ण प्रक्रियाओं का फायदा मिलता है।

एकीकृत पंजीकरण और डिजिटल व्यवस्था से दोहराव खत्म होता है, प्रक्रियाएं तेज होती हैं और जवाबदेही मजबूत होती है। वेतन, लाभ और कामकाजी परिस्थितियों की एक जैसी परिभाषाएँ पूरे भारत में लागू होंगी, जिससे विवाद कम होंगे और नियमों का पालन आसान और एकसमान होगा। सीधे शब्दों में, नई मज़दूरी संहिताएं पुराने, जटिल, औपनिवेशिक ढांचे को हटाकर एक सरल, प्रभावी व्यवस्था लाती हैं जो नवाचार, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देती है।

मज़दूरी संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक सुरक्षा का बड़ा विस्तार और सुधार है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में लगभग 19ब्न आबादी से बढ़कर 2025 में 64ब्न से अधिक हो गया है, जो लगभग 94 करोड़ लोगों को शामिल करता है। नई मज़दूरी संहिताएं इस प्रगति को आगे बढ़ाते हुए, श्रम कानूनों के केंद्र में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को मजबूत रूप से स्थापित करती हैं। देशभर में न्यूनतम फ़्लोर वेतन की व्यवस्था और सभी कर्मचारियों को अनिवार्य नियुक्ति पत्र देने जैसे प्रावधान आय सुरक्षा को बढ़ाते हैं, श्रमिकों के औपचारिकरण को आसान बनाते हैं और पूरे मज़दूर बाज़ार में न्याय और समानता को प्रोत्साहित करते हैं।

नई संहिताएं मानती हैं कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में कामकाज का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहां गिग और प्लेटफ़ॉर्म पर काम करने वाले श्रमिकों की संख्या बढ़ रही है। पहली बार, ऐसे श्रमिकों को कानूनी पहचान दी गई है और उनके लिए खास सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है, जिसके लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म भी हिस्सा डालेंगे।

राष्ट्रीय ई-श्रम पोर्टल गिग और असंगठित श्रमिकों को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जिससे वे अलग-अलग योजना लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें और सामाजिक सुरक्षा को एक शहर से दूसरे या एक ऐप से दूसरे ऐप पर ले जा सकें। सोचिए, कोई डिलीवरी कर्मी बिना किसी परेशानी के शहर बदल ले या ऐप बदल ले, फिर भी उसकी सामाजिक सुरक्षा जारी रहे।

राज्यों के बीच काम करने वाले प्रवासी मजदूरों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। नई संहिताओं में उन्हें लाभ एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाने की सुविधा, हर साल घर जाने के लिए यात्रा भत्ता और उनकी समस्याएं कम करने के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएँ शामिल हैं।

ऑक्युपेशनल सेफ़्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड कार्यस्थल की सुरक्षा के मानकों को और ऊंचा करता है, जिससे भारत के वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र बनने के लक्ष्य को मजबूती मिलती है। इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड में लाया गया फ़िक्स्ड-टर्म एम्प्लॉयमेंट का प्रावधान नियोक्ताओं को लचीलापन देता है, जबकि श्रमिकों के कानूनी अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

मज़दूरी संहिताओं से महिलाओं और युवाओं को विशेष रूप से अधिक लाभ मिलता है, जो भारत की विकास यात्रा के लिए बेहद महत्वपूर्ण समूह हैं। समान काम के लिए समान वेतन और बेहतर न्यूनतम वेतन महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को मजबूत करते हैं। बेहतर मातृत्व लाभ, सुरक्षित कार्यस्थल और नियंत्रित नाइट शिफ्ट की सुविधा महिलाओं के लिए अधिक अवसर और सुरक्षा प्रदान करती है।

युवाओं के लिए औपचारिक नौकरियों में प्रवेश, अप्रेंटिसशिप और कौशल विकास कार्यक्रमों का रास्ता और स्पष्ट हुआ है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और करियर में आगे बढ़ने के अवसर मजबूत होते हैं।

इन सुधारों से सुरक्षा और अधिकारों को आधुनिक रूप मिलता है और काम के अवसरों का विस्तार होता है, जिससे भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभ का बेहतर इस्तेमाल कर पाता है-अर्थात अधिक गुणवत्तापूर्ण नौकरियाँ और मज़दूरों की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान की रक्षा।

ये सुधार आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। यह अनुपालन की लागत कम करके और निवेश आकर्षित करके आर्थिक विकास को गति देते हैं। आधुनिक सुरक्षा नियमों और राष्ट्रीय स्तर पर मज़दूरों के डेटाबेस के ज़रिए यह देश के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करते हैं। एकीकृत निरीक्षण प्रणाली और राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म शासन को पूरी तरह डिजिटल युग में ले जाते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात, ये सुधार भारत की युवा आबादी और बदलते कामकाज के नए तरीकों को पहचानते हैं, प्रवासी मज़दूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और महिलाओं व युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करते हैं। श्रम संहिताएं आमदनी बढ़ाकर, वेतन की सुरक्षा मजबूत करके और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाकर मांग (डिमांड) को भी बढ़ाती हैं। इससे परिवारों का भरोसा बढ़ता है। कुल मिलाकर, ये सुधार विकास और समानता का एक मजबूत चक्र बनाते हैं, जो भारत की प्रगति की यात्रा को गति देता है।

श्रम संहिताएं बदलाव का एक मजबूत खाका देती हैं, लेकिन उनका पूरा असर तभी दिखेगा जब इन्हें समय पर और प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा। इसके लिए केंद्र और राज्यों के बीच अच्छा तालमेल, नियमों और दिशानिर्देशोंमें स्पष्टता, और निरीक्षण अधिकारियों व नियोक्ताओं, दोनों की क्षमता बढ़ाना जरूरी होगा। इसी तरह, एमएसएमई और मज़दूरों तक सक्रिय रूप से जानकारी पहुंचाना भी बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि नए कानूनों के लाभ और जिम्मेदारियों को हर कोई अच्छी तरह समझ सके और उन्हें अपनाए।

भारत श्च 2047 के लिए नया सामाजिक अनुबंध

चार श्रम संहिताओं का लागू होना एक ऐतिहासिक क्षण है, जो भारत के कार्यबलयानिवर्कफ़ोर्स के लिए एक नए सामाजिक अनुबंध की शुरुआत करता है। ये संहिताएँ कारोबार करना आसान बनाती हैं, जीवन को सरल करती हैं, मज़दूरों के अधिकारों की सुरक्षा करती हैं, उद्योगों को मजबूत बनाती हैं और एक ऐसी शासन व्यवस्था लाती हैं जो पारदर्शी, तकनीक-आधारित और पूरे देश में एकसमान है। यह सिर्फ़ मज़दूरी सुधार नहीं है, बल्कि एक सचमुच आधुनिक कार्यबल प्रणाली की बुनियाद है। यह वह परिवर्तनकारी कदम है जिसका असर आने वाले कई दशकों तक भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में दिखाई देगा।

जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और 2047 में अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब ये श्रम संहिताएं एक समृद्ध, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राष्ट्रकी आकांक्षाओं को साकार करती हैं।

लेखक- सुश्रीवीनूजयचंद। वीनू EY में पार्टनर हैं और अफ्रीका, भारत औरदक्षिण-पूर्व एशिया में प्रदर्शन सुधार और कौशल विकास के क्षेत्रमें व्यापक विशेषज्ञता रखतीहैं। वेसमावेशीआर्थिकविकासकोगतिदेनेमेंअग्रणीर हीहैं।

केआईयूजी में सिल्वर के बाद अब अस्मिता लीग में मां राखी के साथ उतरेंगी राजश्री

एजेंसी
बीकानेर। राजश्री के लिए वेटलिफ्टिंग सिर्फ खेल नहीं, बल्कि पारिवारिक विरासत है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2025 में महिलाओं के 58 किग्रा वर्ग में केवल दो किलोग्राम से स्वर्ण से चूकने के बाद जैसे ही उन्होंने रजत पदक जीता, मां और कोच राखी हलदर (छह बार की अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता) ने उन्हें गले लगा लिया। इस उपलब्धि का जश्न मनाने का समय भी नहीं मिला, क्योंकि प्रतियोगिता के दो दिनों बाद ही राजश्री और उनकी मां कोलकाता में 28 नवंबर से शुरू हो रही अस्मिता वेटलिफ्टिंग लीग में फिर से प्लेटफॉर्म पर उतरेंगी। मां-बेटी का एक ही लीग में प्रतिस्पर्धा करना किसी दुर्लभ दृश्य से कम नहीं। दूसरे वर्ष की बीए छात्रा राजश्री ने छह साल पहले वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। बड़े टूर्नामेंटों में चौथे-पांचवें स्थान पर रहने की कहानी अक्सर दोहराती रही है। बुधवार को भी ऐसा ही हुआ, जब वह ओडिशा की अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रिमा भोई (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी) से सिर्फ दो किलोग्राम से पीछे रह गईं। हालांकि, यह रजत उनके लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा बन गया।

बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप प्रयागराज के खिलाड़ी आगले दौर में

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में आयोजित राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के मोहम्मद राफे, सचिन यादव, अभिषेक केसरी, हम्माद रहमान और कानपुर के अहमर अली व ओवैश वारसी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बना ली है। बिशप जॉर्ज स्कूल और कॉलेज में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में प्रयागराज के मोहम्मद राफे ने लखनऊ के मोहम्मद अमान खान को 3-1 से पराजित किया। अमन ने पहले फ्रेम में 61-19 अंक से जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त ले ली थी, इसके बाद राफे ने अगले तीनों फ्रेम क्रमशः 62-29, 52-49 और 79-42 से अपने नाम किया। प्रयागराज के सचिन यादव ने लखनऊ के अली जाफरी को 3-1 से पराजित किया। सचिन ने पहला फ्रेम 64-11 से जीतकर 1-0 की बढ़त ले ली। दूसरे फ्रेम में अली ने 67-45 से जीत दर्ज कर मैच में 1-1 की बराबरी कर ली। इसके बाद अगले दोनों फ्रेम सचिन यादव ने 66-7 और 72-18 से जीतकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया। प्रयागराज के अभिषेक केसरी ने लखनऊ के मोहित भगचंदानी को 3-1 से हराया। अभिषेक ने पहला फ्रेम 50-34 से जीता। मोहित ने दूसरे फ्रेम में 69-21 से जीत दर्जकर मुकाबले में 1-1 की बराबरी कर ली। अभिषेक ने तीसरा फ्रेम 64-19 और चौथा फ्रेम59-22 से जीत लिया।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शनः दिल्ली कैपिटल्स ने एन. श्री चरणी को 1.3 करोड़ रुपये में खरीदा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की नीलामी में भारत की उभरती स्पिनर एन. श्री चरणी एक बार फिर सुर्खियों में रहीं। दिल्ली कैपिटल्स ने इस लेफ्ट-आर्म स्पिनर को 1.3 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ लिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार उभरते प्रदर्शन ने उन्हें इस नीलामी की सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल कर दिया था। श्री चरणी का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था। बोली की शुरुआत यूपी वॉरियर्स ने की, जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स भी दौड़ में शामिल हो गई। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला 75 लाख रुपये तक पहुंचा, जहां यूपी ने हाथ खींच लिया, लेकिन अचानक यूपी ने फिर से 90 लाख की बोली के साथ वापसी की। हालांकि, दिल्ली ने तुरंत जवाब देते हुए बोली को 1.3 करोड़ रुपये तक ले जाकर खिलाड़ी को अपने साथ कर लिया। डब्ल्यूपीएल 2025 के दौरान श्री चरणी अनकैप्ड थीं, फिर भी दिल्ली और मुंबई के बीच तीखी बोली हुई थी, जिसके बाद दिल्ली ने 55 लाख में उन्हें खरीदा था। पिछले एक साल में उनका कद लगातार बढ़ा है। पावरप्ले से लेकर डेथ ओवर्स तक उनकी गेंदबाजी पर कप्तान भरोसा करते हैं। दबाव में भी नियंत्रण और संयम बनाए रखने की उनकी क्षमता उन्हें टी20 क्रिकेट में बेहद मूल्यवान बनाती है।2025 में उनके प्रदर्शन ने उनकी प्रतिष्ठा और मजबूत की। भारत की वनडे वर्ल्ड कप विजेता टीम में उन्होंने 14 विकेट झटके, जो भारतीय खिलाड़ियों में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा था। खास बात यह रही कि जून तक वह प्लेइंग इलेवन की पहली पसंद भी नहीं मानी जा रही थीं, लेकिन कुछ ही महीनों में वह टीम की अहम सदस्य बन गईं।

महिला प्रीमियर लीग 9 जनवरी से 5 फरवरी तक, नवी मुंबई और वडोदरा करेंगे मेजबानी

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आयोजन 9 जनवरी से 5 फरवरी तक किया जाएगा और इस बार टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा। लीग के चौथे सीज़न की आधिकारिक घोषणा गुरुवार को दिल्ली में प्लेयर ऑक्शन की शुरुआत में लीग चेयरमैन जयेश जॉर्ज ने की।

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में टूर्नामेंट की शुरुआत होगी और यहीं पहला चरण खेला जाएगा। इसके बाद लीग वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में शिफ्ट होगी, जहां 5 फरवरी को फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी की विंडो में खेला जाएगा। इससे पहले तीनों सीज़न फरवरी-मार्च में आईपीएल से ठीक पहले आयोजित किए गए थे। इस बार लीग किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीरीज से नहीं टकराएगी।

मुस्कान के साथ गलतियों को स्वीकारते हुए वर्तमान पर फोकस करना जीत का मंत्र : तीरंदाज अंशिका

एजेंसी
जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 की महिला रिकर्व फाइनल में अंशिका कुमारी का दूसरा सेट बेहद खराब रहा। आमतौर पर ऐसी शूटिंग किसी भी तीरंदाज के आत्मविश्वास को हिला सकती है, लेकिन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) की 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखते हुए कोचों से बात की और सकारात्मक सोच के सहारे अगले दो सेट आसानी से जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। अंशिका का यही रवैया न सिर्फ इस फाइनल में उनकी जीत की कुंजी बना, बल्कि पिछले 12 महीनों में उनके करियर की दिशा बदलने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। अंशिका ने साई मीडिया से कहा, 'एक समय था जब मैं हर हारे हुए मैच के बाद हंस देती थी और सोचती थी कि

यह भी नहीं था मेरे लिए, अब इससे बुरा क्या होगा। चलो अगले पर फोकस करो। दिन के अंत में बात सिर्फ वर्तमान पर ध्यान रखने की है–एक-एक तीर पर ध्यान देने की, और तनाव को मुस्कान में उड़ाने की। यही मैंने फाइनल में किया।' दूसरे सेट में क्या गलत हुआ, इस पर अंशिका ने बताया कि वह यह समझ नहीं पा रही थीं कि उनका तीर टारगेट पर कहां लगा क्योंकि उनके कोच के पास उस समय टेलीस्कोप नहीं था। उन्होंने कहा, 'उस सेट के बाद हमें टेलीस्कोप मिला, लेकिन मैंने तब तक सिर्फ सांसों और अगले तीर पर फोकस किया। खुश हूं कि अंत में जीत पाई।' अंशिका कहती हैं, 'मैंने अपनी हर असफलता से सीखा और हर हारे हुए मैच को तकनीक सुधारने का मौका बनाया।' इसी सीख का फायदा उन्हें इस साल तीनों विश्व कप में भाग लेने का अवसर मिला। अंशिका मूल रूप से बिहार की हैं, लेकिन पिता के भारतीय नौसेना में होने के कारण देशभर में रहीं। यह स्थिरता उन्हें एक दिन में नहीं मिली। मुंबई के स्कूल में तीरंदाजी शुरू करने के बाद शुरुआती सफलताओं ने उम्मीदें बढ़ाईं, मगर राष्ट्रीय टीम की जगह उन्हें बार-बार छूटती रही। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेशनल्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली केंद्रीय विद्यालय की तीरंदाज बनने के बाद उन्होंने साई अकादमी के ट्रायल दिए और फिर वहीं प्रशिक्षण शुरू किया।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने आशा शोभना को 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय लेग स्पिनर आशा शोभना को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ऑक्शन 2026 में यूपी वॉरियर्स ने 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा। यूपी वॉरियर्स ने अपने बेस प्राइस 30 लाख रुपये से बोली लगाई थी। यूपी वॉरियर्स के लिए यह खरीद अहम मानी जा रही है, क्योंकि टीम को अनुभवी स्पिनर की जरूरत थी और आशा का प्रदर्शन इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त रहा है। बोली की शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स ने की, जिसके बाद यूपी वॉरियर्स ने बोली बढ़ाकर 35 लाख रुपये की। इसके बाद दिल्ली और यूपी के बीच तेज़ मुकाबला देखने को मिला, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 60 लाख रुपये पर एंट्री ली। बोली का आंकड़ा जल्द ही 1 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और यूपी वॉरियर्स ने इसे बढ़ाकर 1.1 करोड़ रुपये कर दिया, वहीं से यह सौदा पक्का हुआ। आशा शोभना पिछला सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेल रही थीं, लेकिन चोट के कारण 2025 संस्करण से बाहर हो गई थीं। 2023 में उन्हें आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण के लिए 10 लाख रुपये में खरीदा था। टीम ने 2024 में भी उन्हें रिटेन किया और यह फैसला सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने 10 मैचों में 12 विकेट लिए और 7.11 की इकॉनमी रेट दर्ज की। वह अपने राइट-आर्म लेग ब्रेक से टूर्नामेंट की दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। यूपी वॉरियर्स के खिलाफ दूसरे मैच में 5-22 के प्रदर्शन से वह डब्ल्यूपीएल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। आशा शोभना ने 6 मई, 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में कोई परिवर्तन नहीं, कमिंस और हेज़लवुड बाहर

एजेंसी
मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन में 4 दिसंबर (गुरुवार) से शुरू होने वाले डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड एक बार फिर टीम से बाहर रहेंगे। दोनों तेज गेंदबाज इस हफ्ते सिडनी में नेट्स पर अभ्यास करते नजर आए थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें अभी फिट घोषित नहीं किया है। इसका मतलब है कि स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी जारी रखेंगे।

पर्थ टेस्ट की तरह कमिंस ब्रिस्बेन में टीम के साथ रहकर अपनी तैयारी जारी रखेंगे। इसी बीच, उस्मान ख्वाजा को पीठ की चोट और पर्थ की पहली पारी में सिर्फ एक रन बनाने के बावजूद टीम में बरकरार रखा गया है। दूसरी पारी में वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे थे, क्योंकि कैच लेते समय लगी चोट बढ़ गई थी। इस कारण ट्रैविस हेड को पारी की शुरुआत करनी पड़ी और उन्होंने सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रनों की विस्फोटक पारी खेलते हुए टीम को 205 रन के लक्ष्य का पीछा एक ही सेशन में पूरा करा दिया। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलिया ख्वाजा को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर हेड को ओपनिंग में भेजता है या नहीं। ऐसी स्थिति में ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को नंबर 6 पर शामिल किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज़ में 1-0 से आगे है और अभी चार टेस्ट बचे हैं। टीम 30 नवंबर (रविवार) को ब्रिस्बेन में एकत्र होगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार हैः

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लॉयन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरॉल्ड, ब्यू वेबस्टर।

केआईयूजी 2025: भव्या सचदेवा के सातवें स्वर्ण से जैन यूनिवर्सिटी शीर्ष पर मज़बूत

एजेंसी
जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 में जैन यूनिवर्सिटी की तैराक भव्या सचदेवा ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को दो व्यक्तिगत और एक रिले मिलाकर तीन स्वर्ण पदक जीते। इसके साथ ही उनका कुल स्वर्ण पदक आंकड़ा बढ़कर सात हो गया है। ये मुकाबले सवाई मानसिंह स्टेडियम परिसर में आयोजित हुए। पहले दो दिनों में एक-एक व्यक्तिगत और रिले स्वर्ण जीत चुकी भव्या ने गुरुवार को अपनी शुरुआत महिलाओं की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में 9:37.41 सेकंड के समय के साथ की। इसके कुछ देर बाद उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल में भी 2:13.55 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण जीता।

जैन यूनिवर्सिटी के तैराकों ने पूल में दबदबा दिखाते हुए कुल 11 में से 8 स्वर्ण अपने नाम किए और उनका कुल स्वर्ण पदक आंकड़ा 20 पहुंच गया। दूसरी ओर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू) और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी दूसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला करती दिखीं। दिन के अंत में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) 17 स्वर्ण के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गई। उन्होंने तीरंदाजी में 4, शूटिंग में 1, जूडो में 1 और कुश्ती में 3 स्वर्ण अपने नाम किए।

जीएनडीयू ने अब तक 15 स्वर्ण जीत लिए हैं, जिसमें गुरुवार को फेंसिंग की सभी तीन टीम स्पर्धाओं के स्वर्ण और शूटिंग व जूडो में एक-एक स्वर्ण शामिल रहे।

तीरंदाजी

एलपीयू के अर्चर्स अंशिका कुमारी और देवांग गुप्ता ने क्रमशः महिलाओं और पुरुषों की रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण जीते। दोनों ने शाम को अपनी टीमों को टीम इवेंट में भी स्वर्ण दिलाया। रिकर्व मिश्रित टीम में हालांकि उन्हें टाईब्रेकर में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कार्तिका बिचपूरिया और दीपांशु नंदा से हार झेलनी पड़ी।

शूटिंग

एलपीयू के राजकंवर सिंह संधू ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में 29 के स्कोर के साथ स्वर्ण जीता। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में यश वर्धन ने 252.7 के स्कोर के साथ मणिपाल यूनिवर्सिटी (राजस्थान) को पहला स्वर्ण दिलाया।

बैडमिंटन

पुरुष टीम फाइनलः यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई बनाम चितकारा यूनिवर्सिटी। महिला टीम फाइनलः एसआरएम यूनिवर्सिटी बनाम एलपीयू

वेटलिफ्टिंग

बीकानेर में आयोजित वेटलिफ्टिंग में तिरुवल्लूर यूनिवर्सिटी के लोगेस्वरन एस ने 79 किग्रा वर्ग में कुल 305 किग्रा वजन उठाकर अपना पहला कीयूजी स्वर्ण जीता।

डब्ल्यूपीएल मेगा ऑक्शनः दीप्ति शर्मा बनीं सबसे महंगी खिलाड़ी, देखें सभी टीमों की पूरी स्क्वॉड

एजेंसी
नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए मेगा नीलामी आज नई दिल्ली में हुई, जहां पाँचों टीमों ने खिलाड़ियों पर जमकर बोली लगाई। इस बार सीमित रिटेंशन के चलते सभी फ्रेंचाइज़ियों ने लगभग नई टीमों का गठन किया। नीलामी में दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खरीद रहीं, जिन्हें यूपी वारियर्ज़ ने 3.2 करोड़ रुपये में हासिल किया। वहीं अमेलिया केर को मुंबई इंडियंस ने 3 करोड़ रुपये में खरीदा।

डब्ल्यूपीएल 2026: सभी टीमों की स्क्वॉड

दिल्ली कैपिटल्स

शेफाली वर्मा, एनेबल सदरलैंड, जेमिमा रोड्रिग्स, मरिज़ान कैप, श्री चरनी, चिनेल हेनरी, लॉरा वोल्वार्ड्ट, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, तानिया भाटिया, लिज़ेल ली, दिया यादव, ममता मडिवाला, नंदनी शर्मा, लूसी हैमिल्टन, मिनू मणि।

गुजरात जायंट्स

एश्ले गार्डनर, बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, जॉर्जिया वेयरहम, भारती फुलमाली, काश्वी गौतम, रेनुका सिंह, यास्तिका भाटिया, अनुश्का शर्मा, तनुजा कंवर, कनिका आहूजा, तितास साधु, हैप्पी कुमारी, किम गार्थ, शिवानी सिंह, डेनियल वायट-हॉज, राजेश्वरी गायकवाड़, आयुषी सोनी

मुंबई इंडियंस

नैट स्किवर-ब्रंट, अमेलिया केर, हरमनप्रीत कौर, हेले मैथ्यूज़, अमनजोत कौर, सजीवन सजना, शबनीम इस्माइल, गुणलन कुलकर्णी, निकोला कैरी, संस्कृति गुप्ता, रहील फिरदौस, पुनम खेमेंडर, त्रिवेणी वशिष्ठ, नल्ला रेड्डी, साइका इशाक, मिल्ली इलिंगवर्थ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिसे पेरी, लॉरेन बेल, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, नादिन डी क्लर्क, श्रेयंका पाटिल, जॉर्जिया वोल्ल, लिंसी स्मिथ, प्रेमा रावत, गौतमी नाइक, प्रथ्यूषा कुमार, दयालन हेमलता।

यूपी वारियर्ज़

दीप्ति शर्मा, शिखा पांडे, मेग लेनिंग, फीबी लिचफील्ड, आशा सोभना, सोफी एक्लेस्टोन, डिआंड्रा डॉटिन, किरण नवगीरे, क्रांति गौड़, श्वेता सेवहारत, हरलीन देओल, क्लोए ट्रायन, सुमन मीना, सिमरन शेख, जी त्रिशा, प्रतिका रावल।

एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025: भारतीय टीम करेगी अपने अभियान की शुरुआत

एजेंसी
चेन्नई। भारतीय पुरुष टीम अपने घर में होने वाले एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करने को तैयार है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 28 नवंबर से चेन्नई के आइकॉनिक मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम, एग्मोर और मदुरै इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में शुरू होगा। भारत, रोहित की कप्तानी में अपने पहले मुकाबले में चिली से भिड़ेगा। हाल के वर्षों में दोनों टीमों ने किसी एफआईएच आधिकारिक टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना नहीं किया है, इसलिए यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। मेजबान टीम टूर्नामेंट के शुरुआती दबाव को पार करते हुए जीत के साथ आगाज करना चाहेगी। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में यह खिताब जीता था। उस जीत ने भारतीय सीनियर टीम को कई सितारे दिए–जिनमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, गुरजंत सिंह, वरुण कुमार, सुमित, नीलाकंता शर्मा और सिमरनजीत सिंह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार भी तमिलनाडु का यह टूर्नामेंट नए सितारों को जन्म देने वाला मंच बनेगा और भारत के पास भविष्य के खिलाड़ियों को खोजने और तराशने का मौका होगा। टीम के कोच और भारत के पूर्व महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी इस बात को भली-भांति समझते हैं। अभियान शुरू होने की पूर्व संध्या पर उन्होंने कहा, 'हर खिलाड़ी जानता है कि यह टूर्नामेंट उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है। यही वह जगह है जहां से उनका भविष्य बनता है। महीनों की तैयारी के बाद अब प्रदर्शन का समय है।' कप्तान रोहित ने भी तैयारी को 'उत्तम' बताया। उन्होंने कहा, 'हमने पिछले कुछ महीनों में सीनियर टीम के खिलाफ नियमित रूप से मैच खेले, जिससे हमें बेहतरीन अभ्यास मिला। दो सप्ताह पहले चेन्नई पहुंचने से मैदान और परिस्थितियों की आदत भी पड़ गई। टीम उत्साहित है, थोड़ी घबराहट भी है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में मप्र के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, दो गोल्ड समेत जीते 4 पदक

एजेंसी
भोपाल। राजस्थान के कोटा और उद्यपुर में 24 से 29 नवंबर तक आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में गुरुवार को मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो महत्वपूर्ण इवेंट्स में चार पदक अपने नाम किए। इनमें दो गोल्ड और दो पदक शामिल है।

आर्चरीः दीपांशु नंदा और क्रतिका ने रिकर्व मिक्स्ड टीम में जीता गोल्डजनसम्पर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने बताया कि एमपी आर्चरी अकादमी के दीपांशु नंदा और क्रतिका ने गुरुवार को प्रतियोगिता में रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में बेहतरीन तालमेल, स्थिरता और सटीक निशानेबाजी का

प्रदर्शन किया। उनकी जीत ने आर्चरी में मध्य प्रदेश की मजबूत मौजूदगी को और पुख्ता किया।

ट्रैप मिक्स्ड शूटिंगः नीरू का गोल्ड, मनीषा कीर का ब्रॉन्जवहीं, शूटिंग के ट्रैप मिक्स्ड इवेंट में एमपी अकादमी की शूटर नीरू ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता, जबकि देश की प्रमुख ट्रैप शूटरों में शामिल मनीषा कीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। दोनों ने आज के प्रतिस्पर्धी फाइनल में बेहतरीन भरोसा और सटीकता दिखाई। जूडोः आयुष दत्त ने 90 किग्रा में जीता ब्रॉन्जइसी तरह जूडो में भी मध्य प्रदेश ने आज पदक तालिका में नया इजाफा किया। आयुष दत्त ने 90 किलोग्राम भार वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता और राज्य को जूडो में एक मजबूत पहचान दिलाई। खेल मंत्री ने दी बधाईप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि आज के मेडल राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को और मजबूत करेंगे। आर्चरी और शूटिंग में लगातार मिल रही सफलता राज्य की खेल अकादमियों में उपलब्ध आधुनिक प्रशिक्षण, वैज्ञानिक तकनीकों और अनुभवी कोचों की मेहनत का परिणाम है।

आईएलटी20: सीजन-4 में दुबई कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे श्रीलंकाई स्टार दासुन शनाका

एजेंसी
दुबई। दुबई कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे सीजन के लिए श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर दासुन शनाका को नया कप्तान नियुक्त किया है। बीते सीजन की चैम्पियन टीम ने उनकी अंतरराष्ट्रीय कप्तानी और टी20 कौशल को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। 117 टी20 मैचों में 1,659 रन और 41 विकेट झटक चुके शनाका पिछले सीजन टीम के मुख्य समूह का हिस्सा थे, जिसने सीजन 3 का खिताब जीता था। अब टीम उन्हें नए नेतृत्व के साथ खिताब बचाने की चुनौती सौंप रही है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए शनाका ने कहा कि 'दुबई कैपिटल्स की कप्तानी करना मेरे लिए बड़ा सम्मान है। फ्रेंचाइजी ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, वह प्रेरणादायक है। हमारी

टीम संतुलित और उत्साही है, और मुझे विश्वास है कि हम इस सीजन में निडर क्रिकेट खेलेंगे और अपने फैंस को गर्व महसूस कराएंगे।'

टीम के हेड कोच हेमांग बदानी ने कहा, 'दासुन मैदान पर शांत, समझदार और उद्देश्यपूर्ण कप्तान हैं। खिलाड़ी उनके नेतृत्व में सहज महसूस करते हैं। जिस तरह का संतुलित स्क्वाड हमने तैयार किया है, उसके साथ हम मजबूत आईएलटी20 अभियान की उम्मीद कर रहे हैं।' आईएलटी20 के चौथे सीजन की शुरुआत दिसंबर में यूएई में होगी। दुबई कैपिटल्स 02 दिसंबर, मंगलवार को डेजर्ट वाइपर्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दुबई कैपिटल्स नए कप्तान के नेतृत्व में अपने खिताब को बचाने और एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है।

जेमिमा रॉड्रिग्स डब्ल्यूबीबीएल 2025 सीजन के शेष मैचों से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बल्लेबाज़ जेमिमा रॉड्रिग्स अब महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी फ्रेंचाइज़ी ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें भारत में रहने की अनुमति दे दी है। रॉड्रिग्स टीम के होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ मैच के बाद पहले से तय व्यक्तिगत कारणों के चलते भारत लौटी थीं। रॉड्रिग्स अब अपनी करीबी दोस्त और टीममेट स्मृति मंधाना के परिवार के कठिन समय में उनके साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया नहीं लौटेंगी। इस सीज़न में अपने छोटे से कार्यकाल में 25 वर्षीय वर्ल्ड कप विजेता खिलाड़ी ने तीन मैच खेले, जिनमें उन्होंने 12.33 की औसत और 102.77 की स्ट्राइक रेट के साथ सिर्फ 37 रन बनाए। उन्होंने ब्रिस्बेन हीट और उसके प्रशंसकों के प्रति आभार जताया है, वहीं क्लब ने भी इस समय में उनके और मंधाना के परिवार के लिए शुभकामनाएं दी हैं। ब्रिस्बेन हीट के सीईओ टेरी स्वेनसन ने कहा, 'जेमी के लिए यह समय काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह आगे डब्ल्यूबीबीएल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी, लेकिन हम उनके भारत में रहने के अनुरोध को सहर्ष स्वीकार करते हैं। हीट क्लब उनकी और स्मृति मंधाना के परिवार की भलाई की कामना करता है।'

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ : दिल्ली कैपिटल्स

एजेंसी
नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर के सह-मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 नीलामी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक संतुलित और दमदार टीम का गठन किया। फ्रैंचाइज़ी ने अपनी रणनीतिक तैयारी और सटीक योजनाओं के चलते कई अहम खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया। शैफाली वर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स को रिटेन करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने भारतीय कोर को और मजबूत किया। टीम ने एन. श्री चरणी और स्नेह राणा को खरीदकर भारत की हालिया वर्ल्ड कप विजेता टीम के चार खिलाड़ी अपने स्क्वॉड में शामिल किए। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वूल्वार्ट को फ्रैंचाइज़ी ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। वूल्वार्ट हालिया वनडे वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं–9 मैचों में 571 रन।

वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी को 1.3 करोड़ रुपये में टीम ने अपने साथ जोड़ा। हेनरी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और संयुक्त सबसे तेज अर्धशतक के कारण एक खतरनाक खिलाड़ी मानी जाती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सीजन में डेब्यू करने वाली एन. श्री चरणी को जोरदार बोली के बाद 1.3 करोड़ रुपये में फिर से हासिल किया। वह वर्ल्ड कप में भारत की सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल रहीं, जिन्होंने 14 विकेट लिए। स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में शामिल किया गया। उन्होंने भारत की विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण ऑलराउंड प्रदर्शन दिया था। टीम ने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी ओपनर लिज़ेल ली को 30 लाख में खरीदा। हरियाणा की 16 वर्षीय युवा प्रतिभा दिया यादव को उनके बेस प्राइस 10 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया। इसके अलावा, तानिया भाटिया (30 लाख) और मिन्नू मणि (40 लाख) को भी दुबारा खरीदा गया। दोनों खिलाड़ी टीम के पहले सीजन से ही इसका हिस्सा रही हैं।

फ्रैंचाइज़ी ने युवा खिलाड़ियों ममता मडिवाला (10 लाख), नंदनी शर्मा (20 लाख) और लूसी हैमिल्टन (10 लाख) को भी टीम में जोड़ा। कोच जोनाथन बैटी ने कहा, 'हम जो करना चाहते थे, उसे हमने बखूबी हासिल किया है। पांच मजबूत रिटेन के बाद हमने टीम को उसी आधार पर बनाया। हमारा शुरुआती ढ्ढ बेहद मजबूत दिख रहा है। खासकर भारतीय स्पिनर्स को टीम में शामिल कर पाना हमारे लिए बड़ा सकारात्मक कदम है,' बैटी ने कहा। उन्होंने आगे कहा, 'मेग को गंवाना मुश्किल निर्णय था। हमने नीलामी में उन्हें वापस लेने की पूरी कोशिश की, लेकिन हमारे पास कई मजबूत नेतृत्व विकल्प मौजूद हैं।'

'हम मेग के लिए जितना जा सकते थे, गए, लेकिन लौरा वूल्वार्ट को पाकर हम बेहद खुश हैं। वो शानदार लीडर हैं और हालिया वर्ल्ड कप की टॉप स्कोरर भी रहीं। श्री चरणी, स्नेह राणा और चिनेल हेनरी के आने से टीम संतुलित हुई है,' उन्होंने आगे कहा, 'हम तीन फाइनल खेल चुके हैं–अब हमें एक कदम आगे बढ़ना है। हमारी स्काउटिंग टीम बेहतरीन खिलाड़ियों को खोजकर लाती रही है, और इस बार भी हमने कई भविष्य के सितारों को टीम में जोड़ा है। 'डब्ल्यूपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स का पूरा स्क्वॉड

शैफाली वर्मा - बल्लेबाज - 2.20 करोड़

जेमिमा रॉड्रिग्स - बल्लेबाज - 2.20 करोड़

एनेबल सदरलैंड - ऑलराउंडर - 2.20 करोड़

मरिज़ान कैप - ऑलराउंडर - 2.20 करोड़

निकी प्रसाद - ऑलराउंडर - 50 लाख

लौरा वूल्वार्ट - बल्लेबाज - 1.10 करोड़

चिनेल हेनरी - ऑलराउंडर - 1.30 करोड़

एन. श्री चरणी - ऑलराउंडर - 1.30 करोड़

भारत और यूएई ने बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, एफटीए प्रगति पर की चर्चा

एजेंसी

मुंबई। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नई दिल्ली में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की तीसरी बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अपर सचिव अजय भादू और यूएई के अंतरराष्ट्रीय व्यापार कार्य सहायक अवर सचिव जुमा अल कैत ने की।मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक की 3-इन-1 खाते के लिए एक्सिस सिक्योरिटीज के साथ साझेदारी

मुंबई। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) ने आज अपने ग्राहकों को 'एंड-टू-एंड ट्रेडिंग' और 'निवेश सेवाएं' प्रदान करने के लिए एक्सिस सिक्योरिटीज के साथ एक अहम रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी अगली पीढ़ी के वित्तीय समाधान प्रदान करने की बैंक की क्षमताओं के विस्तार की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। इस साझेदारी के तहत एक अद्वितीय 3-इन-1 खाता पेश किया गया है। यह उत्कर्ष के साथ एक बचत खाते और एक्सिस सिक्योरिटीज के साथ एक डीमैट और ट्रेडिंग खाते को आपस में जोड़ता है।। यह सुविधा ग्राहकों को बैंकिंग और निवेश के लिए एक सुविधाजनक और वृहद मंच प्रदान करने के उद्देश्य से डिज़ाइन की गई है। यह कदम उत्कर्ष एसएफबीएल की रणनीति के तहत उठाया गया है जिसके तहत वह अपने ग्राहकों को सभी तरह की वित्तीय सेवाओं को एक ही जगह पेश कर रही है। इसमें, बचत और चालू खाते, जमा, लोन, बीमा और निवेश उत्पाद शामिल हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज के साथ यह साझेदारी ग्राहकों को शाखाओं, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और असिस्टेड सेवाओं जैसे कई चैनलों के माध्यम से बैंकिंग व निवेश की एकीकृत सेवाओं उपलब्ध कराएगी।

आईआईटीएफ 2025 में सेबी के भारत का शेयर बाज़ार पैविलियन का उद्घाटन

नई दिल्ली। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (IITF) 2025 में आज सेबी (SEBI) के भारत का शेयर बाज़ार पैविलियन का भव्य उद्घाटन सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने किया। यह मेला भारत मंडपम, प्रगति मैदान में इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइज़ेशन (ITPO) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सेबी ने BSE, NSE, CDSL, NSDL, AMFI, NISM, NCDEX, MCX, CAMS और KFin Technologies के सहयोग से यह पैविलियन स्थापित किया है। इस वर्ष पैविलियन का थीम विकसित भारत का आधार, भारत का शेयर बाज़ार है, जो आईआईटीएफ के मुख्य विषय एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अनुरूप है। उद्घाटन के दौरान सेबी के वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रतिभूति बाज़ार से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बिसलेरी बना वीमिन्स प्रीमियर लीग का आधिकारिक पेय पार्टनर

मुंबई। बोतल बंद पेयजल के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल अगले दो सीजन के लिए टाटा वीमिन्स प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का आधिकारिक पेय पार्टनर बन गया है। बिसलेरी इंटरनेशनल की उपाध्यक्ष जयंती खान चौहान ने बोली जीतने के बाद गुरुवार को जारी बयान में कहा, 'हम बिसलेरी में अगले दो वर्षों के लिए टाटा वीमिन्स प्रीमियर लीग के आधिकारिक पेय पार्टनर बनने पर गौरवान्वित हैं। दुनिया भर की इस असाधारण पीढ़ी की महिला क्रिकेटरों को खेल में उत्कृष्टता की अदम्य भावना के साथ मैदान में उतरते देखने के लिए उत्साहित हैं।

' बीसीसीआई के सचिव, देवजीत सैकिया ने कहा, 'टाटा डब्ल्यूपीएल उत्कृष्टता, अवसर और विश्वस्तरीय खेल मनोरंजन के विजन पर आधारित है। हमारे नये साझेदार बिसलेरी इस इकोसिस्टम में असाधारण मूल्य और विविध क्षमताएं जोड़ते हैं। यह साझेदारी दर्शकों के अनुभव को आकार देने और महिला क्रिकेट की वृद्धि को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। ' डब्ल्यूपीएल जनवरी 2026 से शुरू होगा। बिसलेरी इस टूर्नामेंट को सीमित-संस्करण पैक के माध्यम से और अधिक प्रचारित करेगी। इसके साथ ही टीम डगआउट्स में विजीकूलर और आइसबॉक्स के जरिये मैदान पर भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करायेगी। स्टेडियम में दर्शकों को हाइड्रेटेड रखने की योजनाएं भी शामिल हैं।

अडाणी डिफेंस ने एफएसटीसी का 820 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया, पायलट प्रशिक्षण क्षमता बढ़ेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एडीएसटीएले) ने प्राइम ऐरो सर्विसेज एलएलपी के साथ मिलकर फ्लाइट सिमुलेशन टेक्निक सेंटर प्राइवेट लिमिटेड (एफएसटीसी) में बहुमत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 820 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर समझौते को अंतिम रूप दिया है। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष राजवंशी ने कहा कि यह अधिग्रहण हमारे एकीकृत एविएशन सर्विसेज प्लेटफॉर्म को विकसित करने की रणनीति का अगला चरण है। एफएसटीसी के एयर वर्क और इंडामर टेक्निक्स के साथ जुड़ने से हम अब सिविल एमआरओ, जनरल एविएशन एमआरओ, डिफेंस एमआरओ और फुल-स्टैक फ्लाइट ट्रेनिंग में ग्राहकों को व्यापक सेवाएं प्रदान कर पाएंगे। भारतीय एयरलाइंस में 1,500+ नए विमान शामिल किए जाने के साथ प्रमाणित पायलटों की आवश्यकता कई गुना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि साथ ही यह समझौता सरकार की उन्नत प्रशिक्षण और मिशन रिहर्सल पर बढ़ती प्राथमिकता रक्षा सिमुलेशन में नए अवसर पैदा करेगा। सुरक्षित भारत के विज़न के अनुरूप हम देश के अगले पीढ़ी के डिफेंस पायलटों को तैयार करने में योगदान देने का लक्ष्य रखते हैं। एडीएसटीएल, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की सहायक कंपनी है। होराइज़न एयरो सॉल्यूशंस लिमिटेड (एचएएसएल) जो एडीएसटीएल और प्राइम ऐरो सर्विसेज एलएलपी का संयुक्त उपक्रम है, एईएल की स्टेप-डाउन सहायक कंपनी है।

अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, अडाणी समूह का हिस्सा है। ये अत्याधुनिक रक्षा उत्पादों के डिजाइन, विकास और निर्माण में अग्रणी है। फ्लाइट सिमुलेशन टेक्निक सेंटर प्राइवेट लिमिटेड (एफएसटीसी) देश की सबसे बड़ी इंडिपेंडेंट फ्लाइट ट्रेनिंग और सिमुलेशन कंपनी है। एफएसटीसी 11 एडवांस फुल-फ्लाइट सिमुलेटर्स और 17 ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट संचालित करता है, जो कमर्शियल पायलट लाइसेंस, टाइप रेटिंग, रिकरंट ट्रेनिंग और विशेष कौशल कार्यक्रमों तक व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह कंपनी डीजीसीए (निदेशालय सामान्य नागरिक उड्डयन) और ईएईए (यूरोपीय संघ एविएशन सेफ्टी एजेंसी) से प्रमाणित है और गुरुग्राम एवं हैदराबाद में अत्याधुनिक सिमुलेशन केंद्र चलाती है, जिनमें बड़े विस्तार की क्षमता है। इसके अलावा एफएसटीसी हरियाणा के भिवानी और नारनौल में भारत के सबसे बड़े फ्लाइंग स्कूलों में से एक का संचालन भी करता है। नागरिक उड्डयन की तर्ज पर भारत का रक्षा पायलट प्रशिक्षण क्षेत्र भी नए अवसरों के रूप में उभर रहा है, जहां सिमुलेटर-आधारित प्रशिक्षण लागत घटाता है और सुरक्षा और दक्षता बढ़ाता है। कंपनी ने रक्षा और नागरिक दोनों क्षेत्रों में विस्तार के ठोस विकास योजनाएं तैयार की हैं।

भारत-स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार वार्ता तेज, फार्मा निवेश पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की राज्य सचिव हेलेन बुडिलगर आर्टिडा से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात में रिसर्च और डेवलपमेंट में सहयोग और भारत के बढ़ते हेल्थकेयर सेक्टर में स्विस फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए इन्वेस्टमेंट के मौकों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड की इकोनॉमिक अफेयर्स स्टेट सेक्रेटरी हेलेन बुडलिगर आर्टिडा के साथ हुई बैठक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फार्मास्यूटिकल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट के मौकों पर चर्चा की गई। हेलेन बुडलिगर आर्टिडा के साथ स्विस फार्मा और बायोटेक कंपनियों की बातचीत अनुसंधान एवं विकास में और सहयोग के तरीकों और स्विस फार्मा कंपनियों के लिए भारत के मजबूत हेल्थकेयर क्षेत्र का फायदा उठाने के लिए निवेश इन्वेस्टमेंट के मौकों को बढ़ाने पर फोकस रही। साथ ही आपसी विकास के लिए मुख्य सेक्टर्स में सहयोग को और बढ़ाने के मकसद से इंडिया-ईएफटीए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) के तहत हुई प्रगति पर भी चर्चा की।

अब विदेशों में अपनी संपत्ति छुपाने वालों पर आयकर विभाग सख्ती बरतने की तैयारी में

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग विदेशों में अपनी संपत्ति छुपाने को लेकर कई टैक्सपेयर्स पर सख्ती बरतने की तैयारी में है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 'एनयूडीजीई' पहल के दूसरे चरण को लॉन्च करने का ऐलान किया है, जिसका मकसद विदेशी एसेट्स और इनकम की रिपोर्टिंग में वॉलंटरी कम्प्लायंस को मजबूत करना है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आयकर विभाग ने ऐसे अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिह्नित किया है जिनमें करदाताओं ने मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के आयकर रिटर्न में अपनी विदेशी परिसंपत्तियों का ब्योरा नहीं दिया है। सीबीडीटी के मुताबिक आयकर विभाग की ओर से 28 नवंबर से इन करदाताओं को एसएमएस एवं ई-मेल भेजा जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एईओआई जानकारी के विश्लेषण से ऐसे कई मामलों का पता चला है, जिनमें विदेशी संपत्तियां होने की संभावना है, लेकिन इस साल के रिटर्न में उनका ब्योरा नहीं दिया गया है। सीबीडीटी अपनी दूसरे 'एनयूडीजीई' इनिशिएटिव के तहत सीबीडीटी 28 नवंबर से पहचाने गए टैक्सपेयर्स को एसएमएस और ई-मेल भेजेगा, जिसमें उन्हें सलाह दी जाएगी कि वे 31 दिसंबर तक या उससे पहले अपनी मर्जी से अपने रिटर्न को रिव्यू और रिवाइज करें, ताकि सजा से बचा जा सके। मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीटी को भारतीय निवासियों की विदेशी वित्तीय संपत्तियों की जानकारी सूचना-साझाकरण प्रणालियों- कॉमन रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड (सीआरएस) और अमेरिकी विदेशी खाता कर अनुपाल अधिनियम के तहत मिलती है। यह सूचना रिटर्न में संभावित त्रुटियों को पहचानने और करदाताओं को सही अनुपालन के लिए मार्गदर्शन करने में सहायक होती है। इस अभियान का उद्देश्य आईटीआर में विदेशी परिसंपत्तियों (एफए) और विदेशी स्रोत से आय (एफएसआई) खंडों के तहत सही और पूर्ण विवरण सुनिश्चित करना है। विदेशी संपत्तियों एवं विदेशी स्रोत से आय का सही खुलासा आयकर अधिनियम, 1961 और काला धन अधिनियम, 2015 के तहत कानूनी रूप से अनिवार्य है।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आयकर रिटर्न (आईटीआर) में नहीं दिया था। इस पहल का परिणाम यह हुआ कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया था।

मामूली बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 111 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली।। सकारात्मक वैश्विक रुझानों और विदेशी कोषों की लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद मामूली बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 111 अंक और निफ्टी में 10 अंकों की तेजी रही। यह शेयर बाजार में तेजी का लगातार दूसरा दिन रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 110.88 अंक यानी 0.13 फीसदी उछलकर 85,720.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 446.35 अंकों की उछाल के साथ 86,055.86 के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसका पिछला उच्चतम स्तर 27 सितंबर, 2024 को 85,978.25 अंक रहा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी कारोबार के अंत में 10.25 अंक यानी 0.039 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 26,215.55 के स्तर

पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 105.15 अंक उछलकर 26,310.45 अंक के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसका पिछला उच्चतम स्तर 27 सितंबर, 2024 को 26,277.35 अंक रहा था। सेंसेक्स में शामिल प्रमुख कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआईद्ध बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक फायदे में रहे। हालांकि, मारुति, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। इसके अलवा एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

एफटीए पर अमेरिका, ईयू सहित 50 देशों के साथ वार्ता कर रहा है भारत: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) सहित करीब 50 देशों और कई व्यापारिक साझेदारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की 98वीं सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि भारत इन समझौतों के जरिये अपने विश्वसनीय व्यापारिक साझेदारों के साथ काम कर रहा है। गोयल ने कहा कि हम सभी ने व्यापार को हथियार बनते देखा है। हम सभी ने दुनियाभर में विश्वसनीय साझेदारों के महत्व को देखा है। उन्होंने कहा कि इस समय भारत, अलग-अलग देशों और करीब 50 राष्ट्र समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि? भारत, ओमान के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा

है। साथ ही बहरीन तथा कतर भी वार्ता में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद् (जीसीसी) से भी बातचीत हो रही है। गोयल ने कहा कि देश, आसियान और कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी समीक्षा कर रहा है, ताकि इसमें और संतुलन लाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम ईएईयू (यूरेशिया स्थित आर्थिक संघ) के साथ काम कर रहे हैं जिसने कल या परसों ही बातचीत शुरू की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम इजराइल के साथ भी जल्द ही बातचीत शुरू करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। कनाडा और भारत, व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर विचार कर रहे हैं। अगले हफ्ते वे इस पर बातचीत शुरू करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) और मर्कोसुर समूह (दक्षिण अमेरिका का एक क्षेत्रीय व्यापारिक समूह) भी बातचीत करना चाहते हैं। फिक्की की 98वीं सालाना आम बैठक और सालाना कन्वेंशन, जिसका विषय है- 'भारतः आत्मनिर्भर आर्थिक महाशक्ति', पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हम न्यूजीलैंड से बात कर रहे है, हम अमेरिका और 27 देशों के यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले फिक्की अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने 98वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का ग्रीन सर्टिफिकेट देकर स्वागत किया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने अमरावती में बैंक व बीमा कार्यालयों की रखी आधारशिला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को अमरावती में संयुक्त रूप से 15 नए बैंक और बीमा कंपनी कार्यालयों की आधारशिला रखी। आंध प्रदेश के दौरे पर गई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती सीड एक्सेस रोड पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और इंश्योरेंस कंपनियों के ऑफिस का शिलान्यास मिलकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर सीतारमण ने उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया। वित्त मंत्री कार्यालय के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) सहित कई अन्य बैंकों के कार्यालयों की आधारशिला रखी गई है। राज्य सरकार के अनुसार इनमें 1,328 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और इससे 6,541 नई नौकरियों का सृजन होगा।

वस्त्र क्षेत्र के लिए 305 करोड़ रुपये की 'टेक्स-रैम्प्स' योजना को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्त्र क्षेत्र में रिसर्च और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 305 करोड़ रुपये की टेक्स-रैम्प्स स्कीम को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने वस्त्र क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने के लिए वस्त्र केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-रैम्प्स) योजना को मंजूरी दी है। यह योजना आगामी वित्त आयोग चक्र के साथ समाप्त होगी। इसे केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जो पूरी तरह से वस्त्र मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित होगी। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने इस योजना की घोषणा करते हुए कहा कि टेक्स-रैम्प्स योजना देश के वस्त्र क्षेत्र को सशक्त बनाने और राष्ट्र को स्थिर, प्रौद्योगिकी और प्रतिस्पर्धात्मकता में वैश्विक गुरू के रूप में स्थापित करने के लिए अनुसंधान, डेटा और नवाचार को एक साथ लाती है। उन्होंने कहा कि देश के वस्त्र और परिधान (टी एंड ए) इको-सिस्टम को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से टेक्स-रैम्प्स को अनुसंधान, डेटा प्रणालियों, नवाचार समर्थन और क्षमता विकास में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है। अनुसंधान एवं नवाचार :- भारत की नवाचार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट वस्त्र, स्थिरता, प्रक्रिया दक्षता और उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देना। डेटा, विश्लेषण और निदानः- साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए रोजगार मूल्यांकन, आपूर्ति श्रृंखला मैपिंग और इंडिया-साइज़ स्टडी सहित मजबूत डेटा प्रणालियों का निर्माण। एकीकृत वस्त्र सांख्यिकी प्रणाली (आईटीएसएस) :- संरचित निगरानी और रणनीतिक निर्णय लेने में सहायता के लिए एक वास्तविक समय, एकीकृत डेटा और विश्लेषण मंच। क्षमता विकास और ज्ञान इको-सिस्टमः- राज्य-स्तरीय योजना को मजबूत करना, बेहतर प्रणालियों का प्रसार, क्षमता निर्माण कार्यशालाएं और क्षेत्रीय कार्यक्रमों का आयोजन। स्टार्ट-अप और नवाचार सहायताः- उच्च मूल्य वाले वस्त्र स्टार्ट-अप और उद्यमिता को पोषित करने के लिए इनक्यूबेटर, हैकथॉन और अकादमिक-उद्योग सहयोग के लिए सहायता। टेक्स-रैम्प्स योजना से अपेक्षित परिणामः- यह अपेक्षित है, वैश्विक बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना, अनुसंधान और नवाचार इको-सिस्टम को मजबूत करना, डेटा-संचालित नीति-निर्माण में सुधार, रोजगार के अवसर पैदा करना और राज्यों, उद्योग, शिक्षा क्षेत्र और सरकारी संस्थानों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देना। मंत्रालय ने कहा कि टेक्स-रैम्प्स योजना भारत के लिए एक लचीले, भविष्य के लिए तैयार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुदीप फार्मा का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 24 फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। सुदीप फार्मा लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 593 रुपये के मुकाबले करीब 24 फीसदी की बढ़त के साथ शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 8,567.72 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सेंचज (बीएसई) पर कंपनी के शेयर ने निर्गम मूल्य से 23.76 फीसदी की बढ़त के साथ 733.95 रुपये पर शुरुआत की। कारोबार के दौरान बाद में यह 31 फीसदी चढ़कर 777 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) पर यह 23.10 फीसदी की बढ़त के 730 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। सुदीप फार्मा लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत मंगलवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 93.71 गुना अभिदान मिला था। सुदीप फार्मा लिमिटेड ने 895 करोड़ रुपये की अपने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 563-593 रुपये प्रति शेयर तय किया था। सुदीप फार्मा लिमिटेड एक टेक्नोलॉजी-ड्रिवन कंपनी है, जो एक्सीपियंट्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स का निर्माण करती है। इन उत्पादों का इस्तेमाल दवा उद्योग, खाद्य उद्योग और न्यूट्रिशन सेक्टर में किया जाता है। यह कंपनी पूरी तरह इन-हाउस टेक्नोलॉजी पर काम करती है, जिसमें

एनकैप्सूलेशन, स्प्रे ड्राइंग, ग्रेन्यूलेशन, ब्लेंडिंग और लिपोसोमल प्रिपरेशन जैसी एडवांस प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी की पहुंच 100 से ज्यादा देशों में है।

कोटक लाइफ का एयूएम एक लाख करोड़ के पार

एजेंसी

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली जीवन बीमा कंपनी कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। कंपनी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह उपलब्धि कंपनी की लगातार बढ़ती प्रगति, पॉलिसी धारकों की परिसंपत्ति की समझदारी से प्रबंधन और ग्राहकों तथा भागीदारों द्वारा कोटक लाइफ पर जताये गये भरोसे को दर्शाती है। कोटक लाइफ के प्रबंध निदेशक महेश बालासुब्रमण्यम ने कहा, 'हमारे 25वें साल में एक लाख करोड़ रुपये के एयूएम का स्तर पार करना सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह हमारे ग्राहकों और भागीदारों द्वारा हम पर किये गये भरोसे को भी दिखाता है। कोटक लाइफ में हम नवाचारी उत्पाद, डिजिटल-प्राथमिक समाधान और ग्राहकों की जरूरतों पर लगातार ध्यान देकर स्थायी मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह उपलब्धि देश के जीवन बीमा के भविष्य को बेहतर बनाने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती है। ' कोटक लाइफ की वृद्धि को प्रोटेक्शन, सेविंग्स, यूनिट-लिंक्ड और एन्युटी जैसे विविध उत्पादों ने मजबूत बनाया है। कंपनी की निवेश सोच सुरक्षा, स्थिरता और लंबे समय तक संपत्ति निर्माण पर आधारित है, जबकि इसकी रणनीति अनुशासित एसेट आवंटन और मजबूत जोखिम प्रबंधन पर केंद्रित है।

गुजरात में हाइवे प्रोजेक्ट्स के लिए केंद्र देगा 20,000 करोड़ रुपये : नितिन गडकरी

एजेंसी

गांधीनगर/सूरत। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी गुजरात में हाइवे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा के लिए दो दिवसीय राज्य के दौरे पर हैं। वे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों की चल रही परियोजनाओं की समीक्षा के लिए गुजरात आए हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की ?20,000 करोड़ की मंजूरी से हाइवे मरम्मत, विस्तार और नई सड़क परियोजनाओं को बड़ी गति और मजबूती मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गडकरी सूरत एयरपोर्ट पहुंचे और वहां पर उतरते ही तुरंत दक्षिण गुजरात के सड़क प्रोजेक्ट्स के निरीक्षण के लिए रवाना हो गए। उन्होंने जमीन पर सड़क की गुणवत्ता का अनुभव लेने के लिए लगभग 10 सीट वाली विशेष बस में सफर किया। इस बस में उनके साथ एनएचएआइ (एनएचएआइ) के वरिष्ठ अधिकारी और प्रोजेक्ट से जुड़े विशेषज्ञ अधिकारी भी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि उनका उद्देश्य ऑफिस में बैठकर नहीं, बल्कि खुद हाइवे पर यात्रा कर सड़क की गुणवत्ता, मजबूती और सतह की स्थिति को सीधे परखना है, ताकि वाहन चालकों को हो रही समस्याओं को समझा जा सके। उनका यह दौरा दक्षिण गुजरात की सड़क व्यवस्था सुधारने में बेहद महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

300 किमी से अधिक हाइवे और एक्सप्रेस-वे का होगा निरीक्षण

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुसार केंद्रीय मंत्री गडकरी गुजरात में एन एच-53 और एन एच-48 के करीब 100 किमी हिस्से का बाय-रोड निरीक्षण किया और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के 200 किमी से अधिक हिस्से का हेलिकॉप्टर से एरियल सर्वे करेंगे। इसके अलावा सड़क निर्माण, डिजाइन, इंटरचेंज,

ट्रैफिक व्यवस्था और स्थानीय शिकायतों की मौके पर समीक्षा और समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह निरीक्षण सिर्फ समीक्षा नहीं, बल्कि सड़क परियोजनाओं में आ रही समस्याओं का तात्कालिक समाधान निकालने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

एन एच-48 इंटरचेंज की डिजाइन खामी पर ध्यान देने की मांग

सूरत और दक्षिण गुजरात के लोगों को मंत्री के इस दौरे से बड़ी उम्मीदें हैं। खास तौर पर एनएच-48 और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को जोड़ने वाले इंटरचेंज की डिजाइन में खामियों के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ रही है। स्थानीय लोगों और ट्रैफिक विशेषज्ञों ने मांग की है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी इस पर तुरंत मार्गदर्शन और उचित समाधान दें, ताकि भविष्य में ट्रैफिक जाम से बचा जा सके। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और मार्ग-आवास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इसमें मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि राज्य के हाइवे पर 35 फीसद से अधिक वाहनों का भार बढ़ गया है, इसलिए हाइवे की मरम्मत और विस्तार का काम लगातार जारी रहना चाहिए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि अहमदाबाद-मुंबई, राजकोट-गोंडल-जेतपुर और अहमदाबाद-उदयपुर हाइवे प्रोजेक्ट्स का काम तेजी से पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री की बात पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने घोषणा की कि केंद्र सरकार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के अंतर्गत गुजरात के हाइवे और सड़क परियोजनाओं के लिए ?20,000 करोड़ की मंजूरी देगी। इस बैठक में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और एनएचएआइ के आगामी और वर्तमान प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) भी दी गई थी।

नेपाल में 20 करोड़ की क्रिप्टोकरेंसी के लेनदेन में युवक गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। क्राइम ब्रांच काठमांडू की टीम ने 20 करोड़ रुपये से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी कारोबार के आरोप में 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। जिला अदालत काठमांडू ने सेफ को पांच दिन तक हिरासत में रखने की अनुमति प्रदान की है। काठमांडू के एसपी पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी के अवैध कारोबार की विशेष सूचना के आधार पर पुलिस ने काठमांडू के भद्रकाली क्षेत्र से मोहम्मद सेफ नामक युवक को पकड़ा है। वह मूल रूप से बारा के कलैया नगरपालिका-10 के निवासी हैं और वर्तमान में काठमांडू महानगरपालिका-10, डल्लू में रह रहा था । प्रारम्भिक जांच से पता लगा है कि उसने लगभग 19 करोड़ 98 लाख 49 हजार 581 रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी का अवैध कारोबार किया था। पुलिस ने उसके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। उन्हें आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में रखा गया है।

सोने की तस्करी मामले में पूर्व स्पीकर कृष्ण बहादुर महरा 20 लाख की जमानत पर रिहा

काठमांडू। नेपाल के पूर्व स्पीकर कृष्णबहादुर महरा को चीन से सोने की तस्करी किए जाने के मामले में जमानत पर रिहा कर दिया गया है। उन्हें उच्च अदालत पाटन ने 20 लाख रूपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। उच्च अदालत पाटन के न्यायाधीश अर्जुन कोइराला और तेजेन्द्र सापकोटा की संयुक्त पीठ ने महरा की रिहाई का आदेश जारी किया। महरा को 12 अक्टूबर को नेपाल पुलिस के केन्द्रीय अनुसन्धान ब्यूरो (सीआईबी) ने गिरफ्तार किया था। सीआईबी के अनुसार 25 दिसंबर, 2022 को चीनी पासपोर्ट पर ली हानसोंग दुबई से काठमांडू दो सूटकेस लेकर आए थे। उन सूटकेसों में 73 पैकेटों में 730 वेंडिंग वेप मिले थे, जिनमें सोना छिपाकर लाया गया था। यह सोना लगभग 8 करोड़ 55 लाख 28 हजार 374 रुपये की कीमत का बताया गया है। सीआईबी के अनुसार इस सोने को छुड़ाने के लिए भंसार (कस्टम) पर दबाव बनाने का आरोप महरा पर लगा। इस मामले में उनके बेटे राहुल महरा को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। सूटकेस संदिग्ध लगने पर जांच की गई, जिसमें वेप बरामद हुए और उन्हें एयरपोर्ट कस्टम कार्यालय ने कब्जे में ले लिया। वहीं ली हानसोंग अपना पासपोर्ट लेकर अगले दिन ही काठमांडू से रवाना हो गया, जबकि वेप लंबे समय तक भंसार में ही जब्त रहे।

नेपाल में आमचुनाव के दौरान तैनात होगी सेना, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

काठमांडू। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने आगामी 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव में सेना तैनात करने की स्वीकृति दे दी है। मंत्रिपरिषद् की सिफारिश पर सेना परिचालन की अनुमति दी गई है। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता प्रदीप कुमार कोइराला ने गुरुवार को बताया कि सिंहदरबार स्थित सुरक्षा परिषद् की 41वीं बैठक में चुनाव के दौरान सेना तैनात करने के लिए मंत्रिपरिषद् को सिफारिश करने का निर्णय लिया गया था। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुए मंत्रिपरिषद् के इस निर्णय पर राष्ट्रपति ने स्वीकृति दे दी है, जिसके बाद सेना तैनाती का मार्ग प्रशस्त हो गया है। निर्वाचन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में सुरक्षा निकायों की तैनाती से संबंधित विस्तृत प्रावधान शामिल हैं। सुरक्षा योजना को तीन स्तरों में बांटा गया है। निर्वाचन से पूर्व की अवधि, निर्वाचन की अवधि और निर्वाचन के बाद की अवधि में अलग अलग तरीके से सेना की तैनाती की जाएगी। इन सभी चरणों में किस प्रकार सुरक्षा व्यवस्था लागू होगी, इसका विवरण योजना में शामिल किया गया है। इस बार सुरक्षा चुनौती को गंभीर मानते हुए चुनाव से एक माह पहले से ही सेना तैनात करने की तैयारी की गई है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना को भ्रष्टाचार के तीन मामलों में 21 साल जेल की सजा

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को राजधानी ढाका की एक विशेष अदालत ने जमीन आवंटन में हुए भ्रष्टाचार के तीन मामलों में दोपहर के वक्त कुल 21 साल जेल की सजा सुनाई। यह मामले राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट पूर्वांचल में 30 कट्ठा सरकारी जमीन के कथित गैरकानूनी आवंटन से जुड़े हैं। हसीना एवं अन्य के खिलाफ बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने जनवरी में छह मामले दर्ज किए थे। बाकी तीन मामलों मे एक दिसंबर को फैसला सुनाया जाएगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना को तीनों मामलों में से हर एक में सात साल की सजा का फैसला सुनाया गया। दूसरे आरोपितों को भी अलग-अलग सजा सुनाई गई। यह फैसला ढाका विशेष अदालत-5 के जज मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने सुनाया। तीनों मामलों में कुल 47 आरोपित हैं। पहले मामले में शेख हसीना समेत 12, दूसरे में अपदस्थ प्रधानमंत्री और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय समेत 17, तीसरे में हसीना और उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल समेत 18 आरोपित हैं। कोर्ट ने हिरासत में मौजूद एकमात्र आरोपित पूर्व राजुक (एस्टेट और लैंड) सदस्य मोहम्मद खुर्शीद आलम की दलील सुनने के बाद रविवार को फैसले की तारीख तय की। फैसला शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों समेत बाकी आरोपितों की गैर मौजूदगी में सुनाया गया। इससे पहले अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को बांग्लादेश के आपराधिक न्यायाधिकरण-1 ने 17 नवंबर को मौत की सजा का फैसला सुनाया था। आज तीन मामलों में सजा सुनाई गई है।

यूक्रेन पीस प्लान को लेकर पुतिन ने फिर से दोहराई मांग, बोले- बिना शर्त के सीजफायर संभव नहीं

एजेंसी

मॉस्को । यूक्रेन में शांति स्थापित करने की कवायदों के बीच रूस ने फिर से अपनी कुछ शर्तें दोहरा दी हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने हालिया बयान में कहा कि यूक्रेन के साथ सीजफायर समझौता तभी हो सकता है, जब वह अपने सैनिकों को हटा दे। रूसी मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति पुतिन कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (सीएसटीओ) के समिट के लिए किर्गिज पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने इस बात को फिर से दोहराया कि बिना किसी शर्त के सीजफायर संभव ही नहीं है। सीएसटीओ एक रीजनल अलायंस है, जो सोवियत के बाद के कुछ देशों को एक साथ लाता है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'सीजफायर तभी हो सकता है, जब यूक्रेन रूस के उन इलाकों से अपने सैनिक हटा ले जिन पर वह

अपना दावा करता है। हमें अभी भी यहां-वहां से युद्ध खत्म करने के लिए फोन आ रहे हैं। यूक्रेनी सैनिक उन इलाकों से हट जाएंगे जिन पर उनका कब्जा है और फिर लड़ाई खत्म हो जाएगी। अगर वे नहीं हटते हैं, तो हम मिलिट्री तरीकों से ऐसा करेंगे। ' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार रूसी राष्ट्रपति ने गुरुवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अभी किसी भी आखिरी विकल्प के बारे में बात करना मेरे लिए अशिष्टता होगी, क्योंकि कोई विकल्प नहीं है, लेकिन कुछ चीजें बेसिक हैं। ' बता दें, रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने के लिए ट्रंप के आदेश पर उनके खास दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को भेजा था। पुतिन के साथ विटकॉफ की मुलाकात के बाद रूसी राष्ट्रपति का ये बयान सामने आया है। शुरुआत से ही ये दावे किए जा रहे थे कि ट्रंप का ये पीस प्लान रूस के पक्ष में ज्यादा है। इस पर पहले भी रूस ने अपने बयानों से संदेह को साफ कर दिया था। पुतिन ने कहा, 'अमेरिकी पक्ष ने कुछ हद तक रूस को ध्यान में रखा है। कहीं न कहीं हमें बैठकर कुछ खास चीजों पर गंभीरता से चर्चा करने की जरूरत है। ' उन्होंने कहा, 'हमें हर चीज को कूटनीति की भाषा में कहने की जरूरत है क्योंकि रूस यूरोप पर हमला करने का प्लान नहीं बना रहा है। सच कहूं तो यह अजीब लगता है। हमारा ऐसा करने का कभी कोई इरादा नहीं था। '

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 4-5 दिसंबर को भारत दौरा

एजेंसी

मास्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर 2025 को भारत के राजकीय दौरे पर आएंगे। इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों नेता 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट में हिस्सा लेंगे, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। राष्ट्रपति पुतिन का यह दौरा रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों, वैश्विक मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी व्यापक बातचीत होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि पुतिन की यह यात्रा भारत-रूस विशेष एवं रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने का महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है। दोनों देश दशकों पुराने सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं।

नेपाल ने विवादित क्षेत्रों वाले बैंक नोट चलन में लाए, भारत के साथ तनाव बढ़ने की आशंका

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार से 100 रुपये मूल्य के नए नोट प्रचलन में ला दिए हैं, जिन पर भारत और नेपाल दोनों के दावे वाले विवादित क्षेत्रों कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को दर्शाया गया है। लगभग पांच वर्ष पहले नेपाल ने अपना राजनीतिक मानचित्र संशोधित कर इन क्षेत्रों को शामिल किया था। अब पहली बार बैंक नोटों पर वही अपडेटेड मानचित्र प्रदर्शित किया गया है। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि 100 रुपये के नोट पर मानचित्र को सरकार के निर्णय के अनुरूप अद्यतन किया गया है। उन्होंने कहा, 'चाइना बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन द्वारा 100 रुपये के तीन सौ मिलियन नोटों की आपूर्ति के बाद हमने उन्हें चलन में ला दिया है। ' वर्ष 2020 में भारत द्वारा विवादित क्षेत्रों को शामिल करते हुए नया मान चित्र जारी करने के बाद नेपाल ने भी अपना मानचित्र प्रकाशित किया था,

जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के कार्यकाल में संविधान में संशोधन कर इन क्षेत्रों को आधिकारिक रूप से नेपाल की भूमि घोषित कर दिया गया था। इस कदम के बाद भारत-नेपाल संबंध और अधिक तनावपूर्ण हो गए थे। ये क्षेत्र नेपाल की उत्तर-पश्चिमी सीमा तथा भारत के उत्तराखंड राज्य के बीच स्थित हैं। दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद यह सीमा विवाद अभी तक सुलझ नहीं सका है और द्विपक्षीय संबंधों में लगातार एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में बना हुआ है। नेपाल राष्ट्र बैंक 5, 10, 20, 50, 100, 500 और 1,000 रुपये के नोट जारी करता है, लेकिन केवल 100 रुपये के नोट पर मानचित्र छपा होता है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, अभी केवल इसी नोट पर मानचित्र का अद्यतन किया गया है।

अलास्का के एंकोरेज महानगरीय क्षेत्र में 6.0 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

जुनो (अलास्का) अमेरिका। साउथ सेंट्रल अलास्का के एंकोरेज महानगरीय क्षेत्र मेंसुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह 8:11 बजे आए इस भूकंप का केंद्र विलो से 26 मील दक्षिण-पश्चिम में 43 मील की गहराई पर रहा।

अलास्का के एंकरेज डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। थैंक्स गिविंग में भूकंप इतना तेज था कि लोग नींद से जाग गए और दीवारों और शेल्फ से सामान हिलने गया। नेशनल सुनामी सेंटर ने कहा कि सुनामी की कोई उम्मीद नहीं है। भूकंप के झटके वाल्डेज और फेयर बैंक्स तक महसूस किए गए। इससे पहले 30 नवंबर, 2018 को अलास्का में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। लगभग हर साल 7.0 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप महसूस किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गुरुवार का

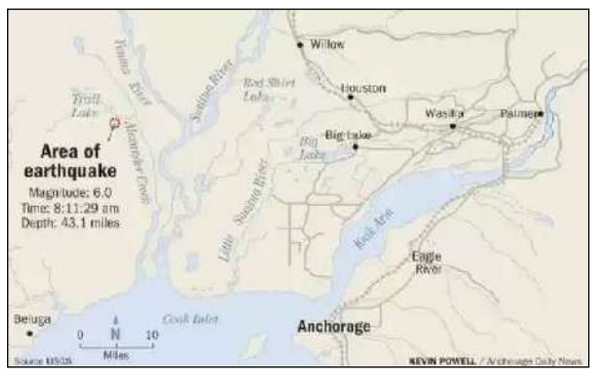

इससे साउथ सेंट्रल अलास्का में आम आदमी और सरकारी संपत्ति को बहुत नुकसान हुआ था। अमेरिका का अलास्का क्षेत्र दुनिया के सबसे अधिक भूकंप-प्रवण इलाकों में गिना जाता है। यहां यह कंपन दक्षिण मध्य अलास्का में 2021 के बाद आया सबसे तीव्र भूकंप है। हालांकि झटके तेज थे, लेकिन राहत की बात यह है कि किसी तरह की बड़ी तबाही की खबर सामने नहीं आई है।

अमेरिका से निर्वासित 39 बांग्लादेशी ढाका पहुंचे, अब तक 220 से अधिक लोगों को स्वदेश लाया गया

एजेंसी

ढाका। अमेरिका से निर्वासित 39 बांग्लादेशी नागरिक आज सुबह लगभग साढ़े पांच स्वदेश पहुंच गए। इनको लेकर एक विशेष यूएस मिलिट्री फ़्लाइट हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंची। एयरपोर्ट अथॉरिटी और देश के स्वैच्छिक संगठन बांग्लादेश रूरल एडवांसमेंट कमेटी (बीआरएसी) ने इनको घर पहुंचाने का इंतजाम किया। अमेरिका से लौटे लोगों में 26 नोआखली और बाकी कुमिला, सिलहट, फेनी, लक्ष्मीपुर, चटगांव, गाज़ीपुर, ढाका, मुंशीगंज और नारायणगंज के रहने वाले हैं।

द डेली स्टार अखबार ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बीआरएसी के निर्वासन दस्तावेज के मुताबिक अब तक लौटे कुल 220 लोगों में कम से कम 34 ब्यूरो ऑफ मैनपावर एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रेनिंग से क्लियरेंस लेकर दक्षिण अफ्रीका पहुंचे।

स्वैच्छिक संगठन के कार्यकारी

ब्राजील गए थे। वहां से वे मेक्सिको पहुंचे और फिर बिना दस्तावेज के अमेरिका में घुस गए। बाकी पांच में से दो सीधे अमेरिका गए और तीन निदेशक शरीफुल हसन ने ऐसे मामलों में समन्वय की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन लोगों को श्रमिक होने के नाते कानूनी तौर पर ब्राजील जाने की इजाजत दी, लेकिन यह पक्का नहीं किया कि वे सच में वहां काम के लिए जा रहे हैं या अमेरिका जाने के रास्ते के तौर पर ब्राजील का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

वापस लौटे लोगों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेशियों को अमेरिका में हथकड़ी और पैरों में जंजीरें डालकर वापस भेजा गया। वह खुशकिस्मत हैं कि उनके साथ ऐसा नहीं हुआ। इस साल आठ जून को एक चार्टर्ड विमान से 42 नागरिक स्वदेश लाए गए। छह मार्च से 21 अप्रैल के बीच कम से कम 34 और लोगों को कई विमानों के माध्यम से निर्वासित किया गया। 2024 की शुरुआत से अगस्त, 2025 तक 220 से अधिक बांग्लादेशी अमेरिका से वापस आए।

श्रीलंका के संसद सदस्य इस्माइल मुथ्थू मोहम्मद का इस्तीफा

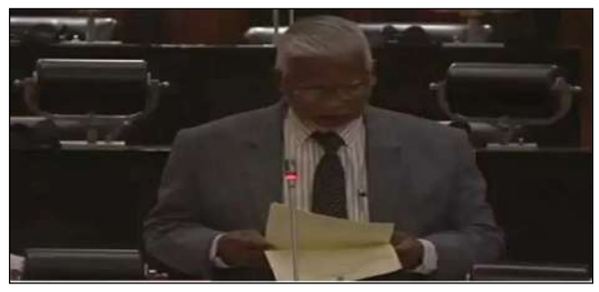

एजेंसी

कोलंबो। ऑल सीलोन मक्कई कांग्रेस के नेता और संसद सदस्य इस्माइल मुथ्थू मोहम्मद ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि संसद की सदस्यता छोड़ने का फैसला पार्टी नेतृत्व के आदेश पर लिया। उन्होंने संसद सत्र के दौरान यह घोषणा की।

श्रीलंका के डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्माइल मोहम्मद ने संसद सदस्य के रूप में अपने पद से इस्तीफा देने का एलान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका फैसला पार्टी के निर्देशों पर आधारित है। उन्होंने नेतृत्व के साथ कभी धोखा नहीं किया है। मोहम्मद ने दिसंबर 2024 में संसद सदस्य के रूप में शपथ ली थी। वो राष्ट्रीय सूची के जरिए संसद के लिए चुने गए। ऑल सीलोन मक्कई कांग्रेस ने समागी जन बालवेगया के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा । मोहम्मद राजनीति में आने से पहले प्रधानाध्यापक रहे हैं।

इंडोनेशिया में चक्रवात का कहर, सुमात्रा के तीन प्रांतों में भूस्खलन-बाढ़ से 61 की मौत

एजेंसी

जकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया में चक्रवात ने कहर बरपाया है। देश के सुमात्रा द्वीप के तीन प्रांतों में भूस्खलन और बाढ़ से कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव अधिकारियों को सिबोल्गा, नॉर्थ और साउथ तपानुली में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भूस्खलन से कई जगहों पर मुख्य रास्ते बंद हो चुके हैं।

द जकार्ता पोस्ट के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित सुमात्रा द्वीप पर गुरुवार को सैकड़ों लोग फंस गए। तूफान ने हजारों लोगों को घरों से भागने पर मजबूर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात इंडोनेशिया के सबसे पश्चिमी इलाके से गुजरा। इस दौरान कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई

और 100 से अधिक व्यक्ति लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि द्वीप के उत्तरी हिस्से में मदद पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रभावित क्षेत्र में आवागमन और संचार का साधन ठप हो गया है। सारे इलाके में बिजली न होने से अंधेरा छा गया है। पुलिस अधिकारी फेरी वालिंटुकन ने कहा कि उत्तरी सुमात्रा प्रांत में 43 लोगों की मौत हो जाने की सूचना मिली है। बाकी इलाकों के अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी सुमात्रा में नौ और द्वीप के उत्तर-पश्चिमी सिरे पर आचेह प्रांत में नौ लोग मारे गए। सुमात्रा इंडोनेशिया के पश्चिमी भाग में स्थित बड़ा द्वीप है। यह मलय द्वीपसमूह का हिस्सा है। यह दुनिया का छठा सबसे बड़ा द्वीप है और मलाया जलडमरूमध्य के ठीक पश्चिम में स्थित है। यह लंबाई में फैला हुआ है और इसका पश्चिमी तट हिंद महासागर की ओर है। बरिसान पर्वत और कुछ ज्वालामुखी भी यहां स्थित हैं। बचाव अधिकारियों ने आज सुबह बताया कि सुमात्रा में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से इस सप्ताह कम से कम 84 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं।

हांगकांग की आठ आवासीय इमारतों में लगी आग में अब तक 94 की मौत

एजेंसी

हांगकांग। दुनिया में अपनी निराली चमक और दमक के लिए विख्यात हांगकांग अपने इतिहास की भयावह आग से जूझ रहा है। परसों आठ बहुमंजिला आवासीय इमारतों (टॉवर्स) में लगी आग में आज सुबह तक 94 लोगों की जान चली गई। इनमें से चार इमारतों की आग गुरुवार रात तक बुझाई जा चुकी थी। तीन इमारतों में दमकल विभाग के कर्मचारी कड़ी मशक्कत कर रहे थे। एक टॉवर को सुरक्षित बताया गया था। अधिकारियों का कहना है कि बचाव अभियान की आखिरी कोशिशों के बीच आग फिर भड़क गई और इलाका धुआं से भर गया। आग की चपेट में आए यह सभी टॉवर 'ताई पो के वांग फुक कोर्ट' क्षेत्र में हैं। हांगकांग में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले द स्टैंडर्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि आज तड़के घटनास्थल

से पांच शव और मिले। इनमें दो शव बच्चों के हैं। गुरुवार शाम लगभग पांच बजे एक इमारत में फिर से आग भड़क गई। घटनास्थल पर पहले से मौजूद दमकल विभाग के कर्मचारियों ने पानी का छिड़काव करने के लिए ऊंची सीढ़ी लगाई। रात भर जीवित लोगों की तलाशी के लिए अभियान चलाया गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने प्रभावित क्षेत्र से पांच शव निकाले। इनमें दो बच्चों के हैं। दमकल विभाग ने अब तक 94 लोगों की मौत हो जाने की पुष्टि की है। 78 लोग बेहद गंभीर हैं। इन आठ टॉवर्स में करीब 2,000 फ्लैट हैं। अधिकारियों ने कल बताया था कि इस संबंध में भवन निर्माण कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

अदियाला जेल प्रशासन ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बताया पूरी तरह स्वस्थ

एजेंसी

रावलपिंडी। कई तरह की अटकलों के बीच पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर के अदियाला जेल प्रशासन ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान को लेकर गुरुवार को स्थिति स्पष्ट की। जेल प्रशासन ने एक बयान जारी कर इस बात से इनकार किया कि इमरान को अदियाला जेल से गुप्त रूप से कहीं और स्थानांतरित किया गया है। जेल प्रशासन ने इस बात का भी खंडन किया कि पूर्व प्रधानमंत्री खान किसी स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से पीड़ित हैं। जेल अधिकारियों ने कहा कि उनका स्वास्थ्य अच्छा है। पाकिस्तान टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन ने बयान में कहा कि अदियाला जेल से उनके स्थानांतरण की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। उनको चिकित्सा सहायता भी मिल रही है। प्रशासन की ओर से यह स्पष्टीकरण तब जारी किया गया जब उनकी पार्टी पीटीआई ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री को 6 सप्ताह के लिए एकांत कारावास में रखा गया है और परिवार से मिलने की अनुमति नहीं दी गई है। सोशल मीडिया पर उनकी मौत की भी खबरें थीं।

ईरान ने तीसरे देश के जरिए नहीं भेजा अमेरिका को कोई मैसेज, खामेनेई बोले-झगड़े बढ़ा रहा अमेरिका

एजेंसी

तेहरान । हाल ही में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद अमेरिका दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी मुलाकात की। ट्रंप से मुलाकात के पहले क्राउन प्रिंस को ईरान की एक चिट्ठी मिली थी। इस चिट्ठी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस चिट्ठी में अमेरिका के लिए एक मैसेज था। हालांकि, ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने इन सभी दावों को मनगढ़ंत बताया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार खामेनेई ने गुरुवार रात को टीवी पर दिए गए संदेश में मीडिया के इन सभी दावों को खारिज कर दिया। अफवाह थी कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सऊदी क्राउन प्रिंस को उनके यूएस दौरे से पहले जो मैसेज भेजा था, वह वॉशिंगटन के लिए था। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा, 'वे अफवाहें फैला रहे हैं कि ईरानी सरकार ने किसी तीसरे देश के जरिए

अमेरिका को मैसेज भेजा है, जो सरासर झूठ है। ' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेजेशकियन की चिट्ठी में कहा गया कि ईरान टकराव नहीं चाहता है। उसका मकसद क्षेत्रीय सहयोग को गहरा करना है और वह कूटनीति के जरिए न्यूक्लियर विवाद को सुलझाने के लिए तैयार है, बशर्ते उसके अधिकारों की गारंटी हो। खामेनेई ने अपने भाषण के दौरान इजरायल के हमलों और अपराधों में अमेरिका के समर्थन की कड़ी आलोचना की। ईरानी सुप्रीम ने अमेरिका पर अपनी रणनीति और रिसोर्स के फायदे के लिए झगड़ों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।दूसरी ओर, ईरानी अधिकारियों ने पहले ही इस बात को साफ कर दिया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस को जो चिट्ठी दी गई, वह सिर्फ द्विपक्षीय मुद्दों को लेकर थी। तेहरान और वॉशिंगटन ने इसी साल अप्रैल और जून के बीच ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और अमेरिकी बैन पर बातचीत की थी। दोनों पक्षों के बीच ओमान की मध्यस्थता में पांच राउंड की बातचीत हुई। इसके बाद छठे राउंड की बातचीत की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन उससे पहले ही इजरायल ने ईरान में कई जगहों पर अचानक हमले कर दिए। इस हमले में ईरान के न्यूक्लियर वैज्ञानिक और सीनियर कमांडर मारे गए। इसके बाद ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की। 22 जून को अमेरिकी सेना ने नतांज, फोर्डो और इस्फहान में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने अगले दिन कतर में अमेरिकी अल उदीद एयर बेस को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद ईरान और इजरायल के बीच 24 जून से सीजफायर लागू हुआ।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/29/2025 12:15 AM Page 2

संविधान वीकेंड पर पीएम श्री एचएसएस भेलरा में क्विज़ प्रतियोगिता

एनसीसी कैडेट्स व विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

अमीर इक़बाल खान

भद्रवाह, 28 नवम्बर। संविधान अंगीकरण दिवस के उपलक्ष्य में पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल भेलरा, भद्रवाह में एनसीसी कैडेट्स तथा छात्र-छात्राओं द्वारा एक इंटर-हाउस क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संविधान वीकेंड के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी समझ का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ.

संजीव कुमार कौल के नेतृत्व में किया गया, जबकि विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य इरशाद अहमद के दिशानिर्देशन तथा एचएसएस ध्रुधु के प्राचार्य एवं ड्रॉइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर सतीश कुमार की देखरेख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ व्याख्याता ओम प्रकाश ने भी कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अपने संबोधन में डॉ. कौल ने भारतीय संविधान को एक जीवंत दस्तावेज़ बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए जिम्मेदारी और नागरिक गर्व के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कैडेट्स को संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान पीएम श्री योजना के तहत तैयार किए गए नए शैक्षणिक डिस्प्ले बोर्ड्स का भी अनावरण किया गया, जिनमें डिजिटल इंडिया, पोषण माह, पीएम जन धन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पीएम जन आरोग्य योजना, स्टार्ट-अप इंडिया और संविधान की प्रस्तावना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों को दर्शाया गया। ये आकर्षक प्रदर्शन बोर्ड विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा डॉ. कौल के मार्गदर्शन में तैयार किए गए थे,

जो डिजिटल साक्षरता, लैंगिक समानता, वित्तीय समावेशन और समग्र राष्ट्रीय विकास के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं। यह कार्यक्रम 10 जे एंड के बटालियन एनसीसी भद्रवाह और जिला प्रशासन डोडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य संवैधानिक जागरूकता को बढ़ावा देना, देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना था।

पशुपालन - अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▶▶ नवजात बछड़ों का पोषण कैसे करें?

अच्छा पोषण ही बछड़ों- बछड़ियों को दूध / काम के लिये सक्षम बनाता है। नवजात बछड़ों के लिये कोलोस्ट्रल (खीस) का बहुत महत्व है। इस से बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। और बछड़े- बछड़ियों का उचित विकास होता है।

▶▶ बछड़ों- बछड़ियों को खीस कितना और कैसे पिलाना चाहिये?

सबसे ध्यान देने योग्य बात है कि पैदा होने के बाद जितना जल्दी हो सके खीस पिलाना चाहिये। इसे गुनगुना (कोसा) कर के बछड़े के भार का 10 वां हिस्सा वज़न खीस कि मात्रा 24 घंटों में पिलाएं। जन्म के 24 घंटों के बाद बछड़े की आंतों की प्रतिरोधी तत्व (इम्यूनोग्लोब्यूलिन) को सीखने की क्षमता कम हो जाती है। और तीसरे दिन के बाद तो लगभग समाप्त हो जाती है। इसलिए बछडों को खीस पिलाना आवश्यक है।

▶▶ बछड़ों- बछड़ियों को खीस के इलावा और क्या खुराक देनी चाहिये?

पहले तीन हफ्ते बछडों को उनके शरीर का दसवां भाग दूध पिलाना चाहिये। चौथे और पांचवे हफ्ते शरीर के कुल भाग का 1/15 वां भाग दूध पिलाएं। इसके बाद 2 महीने की उम्र तक 1/20 वां भाग दूध दें। इसके साथ-साथ शुरुआती दाना यानि काफ स्टार्टर और उस के साथ अच्छी किस्म का चारा देना चाहिये।

▶▶ मिल्क फीवर या सूतक बुखार क्या होता है?

ये एक रोग है जो अक्सर ज्यादा दूध देने वाले पशुओं को ब्याने के कुछ घंटे या दिनों बाद होता है। रोग का कारण पशु के शरीर में कैल्शियम की कमी। सामान्यत: ये रोग गायों में 5-10 वर्ष कि उम्र में अधिक होता है। आम तौर पर पहली ब्यांत में ये रोग नहीं होता।

▶▶ मिल्क फीवर को कैसे पहचान सकते है?

इस रोग के लक्षण ब्याने के 1-3 दिन तक प्रकट होते है। पशु को बेचैनी रहती है। मांसपेशियों में कमजोरी आ जाने के कारण पशु चल फिर नही सकता पिछले पैरों में अकड़न और आंशिक लकवा की स्थिती में पशु गिर जाता है। उस के बाद गर्दन को एक तरफ पीछे की ओर मोड़ कर बैठा रहता है। शरीर का तापमान कम हो जाता है।

▶▶ खूनी पेशाब या हीमोग्लोबिन्यूरिया रोग क्यों होता है?

ये रोग गायों-भैसों में ब्याने के 2-4 सप्ताह के अंदर ज्यादा होता है ओर गर्भवस्था के आखरी दोनों में भी हो सकता है। भैसों में ये रोग अधिक होता है। ओर इसे आम भाषा में लहू मूतना भी कहते है। ये रोग शरीर में फास्फोरस तत्व की कमी से होता है। जिस क्षेत्र कि मिट्टी में इस तत्व कि कमी होती है वहाँ चारे में भी ये तत्व कम पाया जाता है। अत: पशु के शरीर में भी ये कमी आ जाती है। फस्फोरस की कमी उन पशुओं में अधिक होती है जिनको केवल सूखी घास, सूखा चारा या पुराल खिला कर पाला जाता है।

▶▶ खुर-मुँह रोगकी रोकथाम कैसे कर सकते है?

इस बीमारी की रोकथाम हेतु, पशुओं को निरोधक टीका अवश्य लगाना चाहिये। ये टीका नवजात पशुओं में तीन सप्ताह की उम्र में पहला टीका, तीन मास की उम्र में दूसरा टीका और उस के बाद हर छः महीने में टीका लगाते रहना चाहिये।

▶▶ गल घोंटू रोग के क्या लक्षण है?

तेज़ बुखार, लाल आँखें, गले में गर्म/दर्द वाली सूजन गले से छाती तक होना, नाक से लाल/झागदार स्त्राव का होना।

पशुओं की संक्रामक बीमारियों से रक्षा किस प्रकार की जा सकती है?

(क) पशुओं को समय-समय पर चिकित्सक के परामर्श के अनुसार बचाव के टीके लगवा लेने चहिये।
(ख) रोगी पशु को स्वस्थ पशु से तुरन्त अलग कर दें व उस पर निगरानी रखें।
(ग) रोगी पशु का गोबर, मूत्र व जेर को किसी गढ़ढ़े में दबा कर उस पर चूना डाल दें।
(घ) मरे पशु को जला दें या कहीं दूर 6-8 फुट गढ़ढ़े में दबा कर उस पर चूना डाल दें।
(ड़) पशुशाला के मुख्य द्वार पर 'फुट बाथ' बनवाएं ताकि खुरों द्वारा लाए गए कीटाणु उसमें नष्ट हो जाएँ।
(च) पशुशाला की सफाई नियमित तौर पर लाल दवाई या फिनाईल से करें।

▶▶ सर्दियों में बछड़े- बछड़ियों को होने वाली प्रमुख बीमारियों के नाम बताएं।

(क) नाभि का सड़ना (ख) सफेद दस्त। (ग) न्यूमोनिया (घ) पेट के कीड़े (ड़) पैराटाईफाइड़

▶▶ पशुशाला की धुलाई सफाई के लिये क्या परामर्श है?

पशुशाला को हर रोज़ पानी से झाड़ू द्वारा साफ़ कर देना चाहिये। इस से गोबर व मूत्र की गंदगी दूर हो जाती है। पानी से धोने के बाद एक बाल्टी पानी में 5ग्राम लाल दवाई (पोटाशियम पर्मंग्नते) या 50 मिली लीटर फिनाईल डाल कर धोना चाहिये। इस से जीवाणु, जूं, किलनी तथा विषाणु इत्यादि मर जाते हैं, पशुओं की बीमारियां नहीं फैलती और स्वच्छ दूध उत्पादन में मदद मिलती है।

▶▶ संकर पशुओं से कितनी बार दूध निकालना चाहिए?

अधिक दूध देने वाले संकर पशुओं से दिन में तीन बार दूध निकालना चाहिये और दूध निकालने के समय में बराबर का अंतर होना चाहिये। अगर पशु कम दूध देता है तो दो बार (सुबह और शाम को) दूध निकालना उचित है, लेकिन इसके बीच भी बराबर समय होना चाहिये। इस से दूध का उत्पादन बढ़ जाता है और निशचिंत समय पर पशु स्वयं दूध निकलवाने के लिए तैयार हो जाता है।

▶▶ दुधारू पशुओं को सुखाने का परामर्श डाक्टर क्यों देते है?

ग्याभिन अवस्था में पशु और बच्चे दोनों को अधिक खुराक कि आवश्यकता होती है। अत: ब्याने से तीन माह पहले पशु का दूध निकालना बंद कर देना चाहिये, ताकि आगे ब्यांत में भी भरपूर दूध मिल सके।

▶▶ पशुओं की गर्मी का पता कैसे लगाया जा सकता है?

(क) पशु की योनि से सफेद लेसदार पदार्थ निकलता है।
(ख) पशु की योनि अन्दर से लाल हो जाती है और उसमें सोजिश आ जाती है।
(ग) पशु बार बार पूंछ उठता है, रंभाता है और बार-बार पेशाब करता है।
(घ) 'टीजर बुल' या सांड के द्वारा भी गर्मी का पता लगाया जा सकता है।

▶▶ ग्याभिन पशु की पहचान कैसे की जा सकती है?

(क) ग्याभिन होने पर पशु दोबारा 20-21 दिन गर्मी नही आती।
(ख) तीन चार मास में पशु का पेट फूला नज़र आने लगता है।
(ग) पशु कि गुदां में हाथ डाल कर बच्चेदानी का दो में से एक हॉर्न का बढ़ा होना महसूस किया जा सकता है। लेकि यह परीक्षण केवल प्राशिक्षित व अनुभवी पशु चिकित्सक से ही करवाना चाहिये।

▶▶ बछड़े- बछड़ियों में नाभि का सड़ना क्या होता है? इसकी रोकथाम के उपाय बताएं।

इसे अंग्रेजी में' नेवल इल कहते हैं। नवजात बछड़ों में सफाई की कमी से नाभि में पीप (मवाद) पड़ जाती है। नाभि चिपचिपी दिखाई देती है और उस में सूजन व पीड़ा हो जाती है। बछड़ा सुस्त हो जाता है और जोड़ों के सूजने से लंगडाने लगता है। इसकी रोक थाम के लिये नाभि को किसी कीट नाशक से साफ़ करके टिंक्चर आयोडीन तब तक लगाएं जब तक नाभि सूख न जाए।

▶▶ बछड़े- बछड़ियों में सफेद दस्त क्यों होती है?

अंग्रजी में व्हाइट सकाऊर नामक यह प्राणघातक रोग है जोकि 24 घण्टे में ही बछड़े की मृत्यु का कारण बन सकता है। इसमें बुखार आता है, भूख कम लगती है और बदहज़मी हो जाती है। पतले दस्त होते हैं जिस से बदबू आती है। इस से खून भी आ सकता है। इससे बचाव के लिये बछडों को प्रयाप्त खीस पिलाएं।

▶▶ बछड़े- बछड़ियों में होने वाले न्यूमोनिया रोग पर प्रकाश डालें।

यह रोग गन्दे व सीलन वाले स्थानों में रहने वाले पशुओं में अधिक फैलता है। यह रोग 3-4 मास के बछड़ों में सबसे अधिक होता है। इस रोग के लक्षण है - नाक व आंख से पानी बहना,सुस्ती, बुखार,साँस लेने में दिक्कत, खांसी व अंत में मृत्यु। इस घातक रोग से बचाव के लिये पशुओं को साफ़ व हवाद बाड़ों में रखें। और अचानक मौसम/तापमान परिवर्तन से बचाएं।

▶▶ बछड़े- बछड़ियों को पेट के कीड़ों से कैसे बचाया जा सकता है?

दूध पीने वाले बछड़ों के पेट में आमतौर पर लम्बे गोल कीड़े हो जाते हैं। इससे पशु सुस्त हो जाता है, खाने में अरुचि हो जाती है और आँखों की झिल्ली छोटी हो जाती है। इस से बचने के लिये बछड़ों को साफ़ पानी पिलाएं, स्वस्थ बछड़ों को अलग रखें क्योंकि रोगी बछड़ों के गोबर में कीड़ों के अण्डे होते है।

बछड़े- बछड़ियों में पैराटाईफाइड़ रोग के बारे में जानकारी दें।

यह रोग दो सप्ताह से 3 महीने के बछड़ों में होता है। यह रोग गंदगी और भीड़ वाली गौशालाओं में अधिक होता है। इस के मुख्य लक्षण - तेज़ बुखार, खाने में अरुचि, थंथन का सूखना, सुस्ती। गोबर का रंग पीला या गन्दला हो जाता है व बदबू आती है। रोग होते ही पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

▶▶ बछड़ों में पेट के कीड़ों (एस्केरियासिस) से कैसे बचा जा सकता है?

इस रोग की वजह से बछड़े को सुस्ती, खाने में अरुचि, दस्त हो जाते हैं। व इस रोग की आशंका होते ही तुरन्त पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

▶▶ पशुओं में अफारा रोग के क्या-क्या कारण हो सकते है?

(क) पशुओं को खाने में फलीदार हरा चारा, गाजर, मूली,बन्द गोभी अधिक देना विशेषकर जब वह गले सड़े हों।
(ख) बरसीम, ब्यूसॉन, जेई, व रसदार हरे चारे जो पूरी तरह पके न हों व मिले हों।

44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2025 का हुआ समापन

उत्तर प्रदेश पवेलियन में लाखो व्यक्तियों ने किया भ्रमण

उत्तर प्रदेश पवेलियन में लगे स्टालों से करोड़ों रुपयें की हुई खरीदारी

नई दिल्ली। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 के समापन अवसर पर मा0 मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग,रेशम, हैन्डलूम एवं वस्त्रोद्योग, श्री राकेश सचान जी द्वारा आयोजित समारोह में राज्य के विविध उत्पादों और उद्यमशीलता के उत्कृष्ट प्रर्दशन पर हर्ष की अनुभूति व्यक्त की गई।उत्तर प्रदेश के मा0 मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग,रेशम, हैन्डलूम एवं वस्त्रोद्योग श्री राकेश सचान जी ने मेले के समापन के अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 में उत्तर प्रदेश पवेलियन का दौरा किया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' थीम पर आधारित यह पवेलियन मेले का मुख्य आकर्षण रहा और देश-विदेश के आगंतुकों और गणमान्य व्यक्तियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित रहा।

इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित मेले में उत्तर प्रदेश वर्ष 1991 से निरंतर भाग ले रहा है। इस वर्ष के भव्य आयोजन के समापन अवसर पर प्रदेश मंडप में आयोजित समारोह में राज्य के विविध उत्पादों और उद्यमशीलता की झलक देख कर मा0 मंत्री एमएसएमई,खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग द्वारा हर्ष की अनुभूति व्यक्त की गई।

इस मेले में राज्य सरकार के सूचना और पर्यटन विभागों के साथ-साथ यूपीसीडा, नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण जैसे प्रदेश सरकार के संस्थान भी उत्तर प्रदेश पवेलियन के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा जनकल्याण और आर्थिक विकास के कार्यों और योजनाओं को प्रदर्शित किया गया।

मा. मंत्री जी सरकार की नीतियों एवं अभिनव पहलों एवं प्रयासों के कारण उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे अधिक पूँजी निवेश आकर्षित करने वाला राज्य बन गया है। कॉरपोरेट सेक्टर द्वारा प्रदेश में निरन्तर किया जा रहा निवेश यह दर्शाता है कि प्रदेश सरकार की अनूकूल निवेश परक नीतियों का सकरात्मक परिणाम शुरू हो गया है। प्रदेश कि उत्कृष्ट कानून व्यवस्था की स्थिति इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस वर्ष मेले की थीम 卐एक भारत श्रेष्ठ भारत卐 के अनुरूप प्रदेश के मंडप ने अपनी समृद्ध शिल्प परंपरा, उद्यम नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना को साकार रूप में प्रस्तुत किया। पिछले कुछ दिनों में आयोजित प्रदर्शन के दौरान लखनऊ की चिकनकारी, फिरोजाबाद का ग्लास वर्क, वाराणसी की रेशमी साड़ियाँ, सहारनपुर की लकड़ी की कारीगरी, भदोही-मिर्जापुर की कालीनें, खुर्जा की सिरेमिक्स और अलीगढ़ के मेटल उत्पादों ने दर्शकों को प्रदेश की विविध शिल्प पहचान से परिचित कराया।

मां मंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि इस बार लगभग 150 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिससे लगभग 5 करोड़ रुपये की बिक्री और व्यापारिक पूछताछ (ट्रेड इन्क्वायरी) दर्ज हुई। मा0 मंत्री जी ने यह भी संज्ञानित कराया कि ओडीओपी गैलरी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की विशिष्ट पहचान को एक ही मंच पर प्रदर्शित किया, जिससे उद्यमियों को नया बाजार मिला और निवेशकों का विश्वास भी बढ़ा।

मा0 मंत्री जी ने औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना विकास और कौशल विकास में राज्य की प्रगति पर भी जोर दिया और समावेशी और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

मा0 मंत्री जी ने अवगत कराया कि प्रदेश सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को अपनी आर्थिक रणनीति के केंद्र में रखा है। वर्तमान में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश माइक्रो उद्यम हैं। इन्हीं इकाइयों के सशक्तिकरण के लिए सरकार विविध योजनाओं पर कार्य कर रही है।

मा0 मंत्री जी ने यह भी संज्ञानित कराया कि 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा)' के तहत 5 लाख रुपये तक के ब्याज-मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अगले 10 वर्षों में 10 लाख से अधिक उद्यमों को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।उन्होनें एमएसएमई अधिनियम-2020 और एमएसएमई नीति-2022 के माध्यम से स्टाम्प शुल्क में छूट, पूंजीगत एवं ब्याज उपादान, तकनीकी उन्नयन तथा ऊर्जा दक्षता सहायता जैसी अनेक प्रोत्साहन सुविधाएँ प्रदान करने के संबंध में भी उपस्थित दर्शकों को अवगत कराया।

मा0 मंत्री जी ने संज्ञानित कराया कि रेलवे फ्रेट कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर, सांस्कृतिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट, रोड और वाटर कनेक्टिविटी जैसे आधारभूत ढांचे ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए देश का सर्वाधिक आकर्षक गंतव्य बना दिया है। मा0 मंत्री जी ने समापन के अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाईयों/भागीदारों को पुरस्कृत करते हुये प्रमाण-पत्र भी वितरित किया व सभी उद्यमियों, कारीगरों, महिला समूहों और स्टार्ट-अप्स को हार्दिक बधाई दी। साथ ही, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, आगंतुकों, साझेदारों तथा आयोजन से जुड़े सभी विभागों, विकास प्राधिकरणों, जिला प्रशासन, पुलिस, स्वच्छता और विद्युत-जल आपूर्ति कर्मियों एवं मीडिया के बन्धुओं को उनके योगदान के प्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया गया। आई आई टी एफ 2025 के अवसर पर उत्तर प्रदेश को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

समापन के अवसर अपर आयुक्त उद्योग, उत्तर प्रदेश श्री राजकमल यादव एवं अन्य उच्चाधिकारी भी उत्तर प्रदेश मण्डप में उपस्थित रहे।